राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 217 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बिहार विकास गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली। बिहार विकास गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने 25 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। यह घोषणा न्यू झारखंड भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई, जिसमें गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर जनहित दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंशुमान जोशी, बिहार प्रदेश अध्यक्ष बादल खान, पूर्व सांसद एवं तीन बार के विधायक डॉ. सूरज मंडल, तथा जे.पी. एलायंस मुस्लिम पॉलिटिकल कमेटी के प्रतिनिधि असगर खान उपस्थित रहे।

यह निर्णय सामूहिक रूप से बिहार विकास गठबंधन द्वारा लिया गया है, जिसमें जनहित दल तथा जयप्रकाश नारायण के वैचारिक आंदोलन से जुड़े सहयोगी संगठन शामिल हैं। इस गठबंधन का नेतृत्व डॉ. सूरज मंडल (पूर्व सांसद एवं तीन बार विधायक) कर रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के दर्शन और विरासत से प्रेरित होकर बिहार विकास गठबंधन 'संपूर्ण क्रांति' की भावना को पुनर्जीवित करने के लिए पारदर्शी शासन, समावेशी विकास और जनसहभागी लोकतंत्र को अपना आधार बना रहा है। यह गठबंधन जेपी के आदर्शों — जनसशक्तिकरण, नैतिक नेतृत्व और सामाजिक न्याय — को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। जेपी एलायंस एजेंडा, जो बिहार विकास गठबंधन की वैचारिक नींव है, चार मूल स्तंभों — शिक्षा, रोजगार, समानता और सशक्तिकरण — पर केंद्रित है। गठबंधन एक ऐसे बिहार की कल्पना करता है जहाँ शासन पारदर्शी हो, अवसर समान हों और प्रत्येक नागरिक राज्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए।

भाजपा का राज्य सरकार पर तीखा हमला, आपदा राहत में भेदभाव का आरोप

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर प्राकृतिक आपदा को गंभीरता से न लेने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वर्ष 2023 की तरह इस बार भी सरकार ने आपदा प्रभावितों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा नहीं की, जिससे प्रदेश के कई जिलों के लोग राहत से वंचित रह गए। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल मंडी जिले को राहत पैकेज मिला, जबकि पूरे प्रदेश को इसकी जरूरत थी। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया, इस साल बरसात के कारण प्रदेश में 300 से अधिक मौतें हुईं, 50 लोग लापता हैं, 1700 से अधिक घर पूरी तरह नष्ट हुए, और साढ़े सात हजार घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए।

साफ छवि और सख्त एक्शन से पहचान

बुलडोजर एक्शन से सुर्खियों में आए हर्ष सांघवी बने डिप्टी सीएम

40 साल की उम्र में नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में हाल के दिनों में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चलाए गए बुलडोजर अभियान से सुर्खियों में आए राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी को अब बड़ा प्रमोशन मिला है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की नई टीम में हर्ष सांघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

कम उम्र में ही राजनीति में अपनी दमदार पहचान बना चुके सांघवी को भाजपा नेतृत्व ने युवाओं का चेहरा बनाते हुए यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। माना जा रहा है कि यदि 2027 के चुनाव में भाजपा सत्ता बरकरार रखती है, तो हर्ष सांघवी को भविष्य में मुख्यमंत्री की कमान भी सौंपी जा सकती है।

छात्र राजनीति से उपमुख्यमंत्री तक का सफर

8 जनवरी 1985 को जन्मे हर्ष सांघवी 2012 में पहली बार विधायक बने थे और 27 वर्ष की उम्र में गुजरात के सबसे युवा विधायक का रिकॉर्ड बनाया। सूरत की माजुरा सीट से लगातार जीत दर्ज करने वाले सांघवी जैन समुदाय से आते हैं और महज 15 वर्ष की उम्र से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। युवा मोर्चा में लंबे समय तक काम करने के बाद वे भाजपा में आए और संगठन में तेज़ी से आगे बढ़े।

गृह राज्य मंत्री के तौर पर हर्ष सांघवी ने उद्योग, परिवहन, युवा एवं खेल जैसे विभागों की भी जिम्मेदारी संभाली। कानून व्यवस्था के मोर्चे पर उन्होंने कई सख्त कदम उठाए — विशेषकर हाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और अवैध बस्तियों पर बुलडोजर अभियान चलाकर राज्यभर में चर्चा में रहे। उनकी कार्यशैली और निर्णय क्षमता ने केंद्रीय नेतृत्व का विश्वास जीता।

फेरबदल की 5 वजह

स्ट्रेटेजिक रीसेट: भाजपा ने सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा मांगा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले।

कमजोर परफॉर्मेंस: कई मंत्रियों का प्रदर्शन कमजोर था। पार्टी उनकी जगह नए चेहरे लाना चाहती थी।

जातीय समीकरण: पिछली कैबिनेट में 16 मंत्री थे। भाजपा पटेल कम्युनिटी को ज्यादा जगह देना चाहती थी।

लोकल इलेक्शन: गुजरात में अगले कुछ महीनों में लोकल बॉडी चुनाव हैं। बिसावदर विधानसभा उपचुनाव हारने के बाद भाजपा नए चेहरों को मौका देना चाहती है।

ज्यादा नेताओं की हिस्सेदारी: गुजरात विधानसभा में 182 सीटें हैं। अभी 16 मंत्री थे, जबकि कुल सीटों के 15त्न के हिसाब से मुख्यमंत्री के साथ 26 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

भूपेंद्र पटेल कैबिनेट में बड़ा फेरबदल

राज्यपाल ने गांधीनगर में आयोजित शपथग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की नई टीम के 25 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनमें हर्ष सांघवी के अलावा अर्जुन मोढवाडिया, डॉ. प्रद्युम्न वाजा, रमन भाई सोलंकी, ईश्वर सिंह, मनीषा वकील, प्रफुल्ल पानसेरिया और क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रीबावा जडेजा जैसे चेहरे शामिल हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस फेरबदल को भाजपा की रणनीतिक तैयारी के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन साधने की कोशिश की गई है।

राघोपुर में तेजस्वी यादव को तीसरे नंबर पर धकेल देंगे - प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसी)। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को दावा किया कि वे राघोपुर से इस विधानसभा चुनाव में राजद नेता तेजस्वी यादव को तीसरे नंबर पर धकेल देंगे। उन्होंने महागठबंधन में सीटों को लेकर चल रहे खींचतान के बारे में कहा कि महागठबंधन को तो पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि वीआईपी के मुकेश सहनी उनके साथ हैं या नहीं। बिना एक भी सीट पर चुनाव लड़ने की आधिकारिक घोषणा किए, उन्होंने डिप्टी सीएम बनने का दावा कर दिया है। मूल बात यह है कि इस बार महागठबंधन ने खुलकर करोड़ों रुपए में टिकटों की बिक्री की है। कई जगहों पर महागठबंधन के दो-दो दलों ने उम्मीदवार दे दिए हैं। प्रशांत किशोर ने खुद के राघोपुर से चुनाव न लड़ने के फैसले को पार्टी का फैसला बताते हुए कहा कि पार्टी का कहना है कि इससे जन सुराज के शेष उम्मीदवारों को मदद हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव और उनका पूरा परिवार मिलकर भी हमें नहीं डरा सकता है। आप देखिएगा, राघोपुर में उनको तीसरे नंबर पर धकेल देंगे।

बता दें कि पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव राघोपुर से एक बार फिर चुनावी मैदान में उतरे हैं। इससे पहले, पूर्व सांसद और अररिया के जोकीहाट से चार बार विधायक रहे सरफराज आलम जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने उनका पार्टी में स्वागत किया।

सरफराज आलम पूर्व केंद्रीय मंत्री और सीमांचल की राजनीति के बड़े मुस्लिम चेहरे स्वर्गीय तस्लीमुद्दीन के पुत्र हैं। वर्ष 1996 में पहली बार राजद के टिकट पर जोकीहाट से उपचुनाव जीतकर विधायक और बिहार सरकार में मंत्री बने थे। इसके बाद साल 2000, 2010 और 2015 में भी विधायक रहे। सांसद पिता तस्लीमुद्दीन के निधन के बाद साल 2018 में हुए संसदीय उपचुनाव में जीत दर्ज कर सांसद भी बने। उनके भाई शाहनवाज आलम फिलहाल जोकीहाट विधानसभा से राजद के विधायक हैं।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने भरी पहली सफल उड़ान, रक्षा मंत्री बोले- यह ऐतिहासिक पल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति को आज एक नई बुलंदी मिली जब देश के उन्नत स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज सफलतापूर्वक अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्यूफैक्चरिंग डिविजन से इस लड़ाकू विमान ने उड़ान भरकर आसमान में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक पल के गवाह खुद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बने, जिन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए एक मील का पत्थर बताया।

तेजस की यह पहली उड़ान भारत में अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण की दिशा में एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। इस विशेष अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन किया, जिससे विमानों के उत्पादन में और तेजी आएगी।

जंगलराज की वापसी का प्रतीक है लालू-राहुल की जोड़ी, 14 नवंबर को बड़ी दिवाली मनाई जाएगी: अमित शाह

सारण (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सारण के तरैया विधानसभा में एनडीए गठबंधन की ओर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद सूबे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बनेगी। बिहार की जनता ने यह तय कर लिया है कि नीतीश कुमार ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि बिहार की जनता को इस बार चार- चार दीपावली मनाने का अवसर मिल रहा है। 14 नवंबर को जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे और सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी, तब वह दिन बिहार की एक बड़ी दीपावली होगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज सारण जिले के तरैया प्रखंड अंतर्गत मंझोपुर गांव में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए समर्थन मांगा है।

शांति, विश्वास और विकास के नए युग का शुभारंभ

मुख्यधारा में लौटे माओवादी कैडर — बस्तर में शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। आज का दिन केवल बस्तर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए ऐतिहासिक है। वर्षों तक हिंसा और भय की छाया में जी रहे 210 माओवादी कैडरों ने आज पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन कार्यक्रम के अंतर्गत बंदूक छोड़कर संविधान को अपनाने का निर्णय लिया है। यह छत्तीसगढ़ में शांति, विश्वास और विकास के नए युग का शुभारंभ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जगदलपुर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जो युवा कभी माओवाद की झूठी विचारधारा के जाल में उलझे हुए थे, वे आज लोकतंत्र की शक्ति, संविधान के आदर्शों और राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों पर विश्वास जताते हुए समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कुल 210 आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों में एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, चार दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य, एक रीजनल कमेटी सदस्य, 22 डिविजनल कमेटी सदस्य, 61 एरिया कमेटी सदस्य और 98 पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन पर कुल 9 करोड़ 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। समारोह में 210 माओवादी कैडरों ने कुल 153 हथियार समर्पित किए, जिनमें 19 ,च-47, 17 स्स्क्र 23 ढ्ढह्लस्ह्य राइफलें,

लोगों ने बताया रियल लाइफ रैंचो

वीडियो कॉल पर डॉक्टर, लड़के ने स्टेशन पर करवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में इंसानियत और हिम्मत का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। राम मंदिर रेलवे स्टेशन पर देर रात एक गर्भवती महिला को अचानक लेबर पेन शुरू हो गया। उसी ट्रेन में सफर कर रहे एक युवक ने बिना किसी मेडिकल सुविधा के अपनी सूझबूझ से महिला की जान बचा ली। उसने अपनी डॉक्टर दोस्त से वीडियो कॉल पर सलाह लेकर ट्रेन में ही डिलीवरी कराई। मां और बच्चा दोनों अब पूरी तरह स्वस्थ हैं।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 12ः40 बजे विकास दिलीप बेद्रे नामक युवक गोरेगांव से एयरपोर्ट की तरफ जा रहा था। ट्रेन में उसके साथ एक गर्भवती महिला भी थी, जिसे अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। यात्रियों ने तुरंत चैन खींचकर ट्रेन को राम मंदिर स्टेशन पर रोका, लेकिन वहां कोई मेडिकल सुविधा नहीं थी।

वीडियो कॉल पर डॉक्टर ने कराई डिलीवरी- स्थिति गंभीर थी। ऐसे में विकास ने तुरंत अपनी महिला डॉक्टर दोस्त देविका को फोन किया। डॉक्टर ने वीडियो कॉल पर उसे कदम-दर-कदम निर्देश दिए — और विकास ने उसी के अनुसार ट्रेन में ही प्रसव करवाया। कुछ ही देर में बच्चे के रोने की आवाज गूंजी तो सभी यात्री खुशी से झूम उठे। मशहूर संगीतकार मंजीत ढिल्लों ने इस घटना का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया और लिखा — वो पल जिंदगी भर याद रहेगा। महिला की हालत नाजुक थी, एम्बुलेंस आने में देर हो रही थी। तभी विकास ने हिम्मत दिखाई। ऐसा लगा जैसे भगवान ने उसे वहीं भेजा हो। उसने वीडियो कॉल पर डॉक्टर की हर बात को ध्यान से सुना और वैसा ही किया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

तीन दिवसीय पदयात्रा 6-8 नवम्बर तक, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने ली प्रेस वार्ता

यात्रा का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना

महासमुन्द(समय दर्शन)। लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती 31 अक्टूबर के अवसर पर आयोजित होने वाले विविध गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन एवं सफलतापूर्वक आयोजन के लिए आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष महासमुंद में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया। प्रेस कॉन्फेंस में सांसद लोकसभा महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने मीडया प्रतिनिधियों को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, राजिम विधायक रोहित साहू, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, येतराम साहू, एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

प्रेस वार्ता में सांसद लोकसभा महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। इस अवसर पर तीन दिवसीय पदयात्रा 6 से 8 नवम्बर तक किया जाएगा। यह पदयात्रा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत महासमुंद, धमतरी एवं गरियाबंद में एक साथ आयोजित होगा। जिसके लिए रूट चार्ट का निर्धारण किया गया है तथा संचालन के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई है। कार्यक्रम का संयोजन सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी करेंगी। पदयात्रा सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होकर शाम 4 बजे तक चलेगा। महासमुंद जिला अंतर्गत गांधी ग्राम तमोरा से शुभारम्भ किया जाएगा जो लोहिया चौक महासमुंद में समाप्त होगा। इसी तरह गरियाबंद जिले में सिरकट्टी आश्रम से प्रारम्भ होकर गरियाबंद मालगांव में समाप्त होगा।

धमतरी में गांधीग्राम कुंडेल से प्रारम्भ होकर गांधी चौक धमतरी में समापन होगा। इस दौरान 2 रात्रि विश्राम भी किया जाएगा। पदयात्रा से पहले स्थानीय लोगों में जागरूकता के लिए स्कूल, कॉलेज में अलग-अलग प्री इवेंट गतिविधियां, जैसे निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जीवन पर संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही युवाओं के बीच नशामुक्त भारत शपथ, संस्थानों में स्वदेशी मेलों का आयोजन एवं गर्व से स्वदेशी संकल्प भी दिलवाए जाएंगे। इसके अलावा 30 अक्टूबर को एक दिवसीय पदयात्रा सिरपुर से प्रारम्भ होगा जो लगभग 11 किलोमीटर तक चलेगा।

संक्षिप्त-खबर

गुरुकुल में जिलास्तरीय अन्तर्विद्यालयीन वॉलीबाल प्रतियोगिता आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। गुरूकुल पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें इस अंचल के 8 शालाओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के अतिथि एफआर वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी कवर्धा एवं राजा टाटिया समाज सेवी कवर्धा भूपेन्द्र सिंह शहर मंडल उपाध्यक्ष कवर्धा तथा संस्था के पदाधिकारी गण व शाला प्रभारी प्राचार्य संचासीन थे। माँ सरस्वती के तैल चित्र पर पुष्प व मालार्पित व पूजन-वंदन कर अतिथियों ने कार्यक्रम आरंभ किया। अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया एवं समस्त शाला का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। पहले दिन का पहला खेल गुरूकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा व स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय बोड़ला के बीच खेला गया, जिसमें गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा विजयी हुआ। इसी क्रम में हॉली किगडम कवर्धा के साथ स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय पोडी के मध्य खेल हुआ, जिसमें स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय पोड़ी विजयी हुआ। 17 अक्टूबर शुक्रवार को समापन दिवस पर सेमी फाइनल तथा फाइनल मैच खेला जाएगा। संस्था के अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीगण ने इस अन्तर्विद्यालयीन वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

कुड़ेकेल विद्यालय मे, छात्राओं को सरस्वती सायकल वितरण

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कूड़ेकेल में शासन के निर्देशानुसार सरस्वती सायकल योजना के तहत 42 बालिकाओं को सायकल प्रदान किया गया । इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति की-08 अनुसूचित जनजाति की -09 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग बीपीएल वर्ग से 25 बालिकाएं लाभान्वित हुए। इस अवसर पर प्राचार्य बलदेव मिश्रा ,प्रधान पाठक सुशील सिंन्हा, प्रधान पाठक संतोषी साहू, जनपद सदस्य राजेश गढ़तिया, सरपंच भारत डड़सेना, पंचगण ,पालकगण के साथ मे विशेष रूप से एसएमडीसी सदस्य मिलन साव,कृष्ण चंद्र साव,अशोक साव, भगत राम पटेल, जितेंद्र सिदार, भूपेंद्र साव, बलिराम यादव के साथ पूर्व एसएमडीसी अध्यक्ष पहलवान सिदार ,पूर्व विधायक प्रतिनिधि श्रवण सिदार, सायकल योजना वितरण प्रभारी रोहित पटेल, वरिष्ठ व्याख्याता डीसी पालेकर एवं सहायक ग्रेड 3 देवेश साव विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य बलदेव मिश्रा एवं आभार धन्यवाद जनपद सदस्य राजेश गढ़तिया द्वारा किया गया।

रजत महोत्सव 2025 : किसानों को जैविक खेती अपनाने किया गया प्रेरित

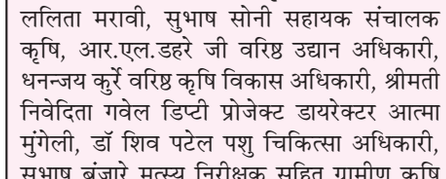

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत महोत्सव के अंतर्गत, आत्मा (एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी) योजना के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन कृषि उपज मंडी प्रांगण, सारधा लोरमी में संपन्न हुआ। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किसान मेले का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवीनतम योजनाओं और जैविक खेती के लाभों से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया।

किसान मेला में कृषि विज्ञान केन्द्र, पशु चिकित्सा, उद्यानिकी, मत्स्यपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जहां किसानों को विभागीय योजनाओं, तकनीकी जानकारियों एवं संसाधनों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आत्मा योजनांतर्गत पंजीकृत समूह गौठान सेवा समिति झझपुरीकला द्वारा वर्मी कम्पोस्ट, वर्मी वॉश, ब्रम्हास्त्र और जैविक कीटनाशकों की जीवंत प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, किसानों को स्प्रेयर, पीएम किसान कार्ड, सॉयल हेल्थ कार्ड, फसल बीमा कार्ड, सब्जी मिनीकिट एवं आइस बॉक्स का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक गुरमीत सलुजा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कृषि विभाग से श्रीमती ललिता मरावी, सुभाष सोनी सहायक संचालक कृषि, आर.एल.डहरे जी वरिष्ठ उद्यान अधिकारी, धनन्जय कुर्रे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, श्रीमती निवेदिता गवेल डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर आत्मा मुंगेली, डॉ शिव पटेल पशु चिकित्सा अधिकारी, सुभाष बंजारे मत्स्य निरीक्षक सहित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारीगण और बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे।

पुलिस ने की शराबी वाहन चालकों एवं मॉडिफाइड साइलेंसर पर सख्त

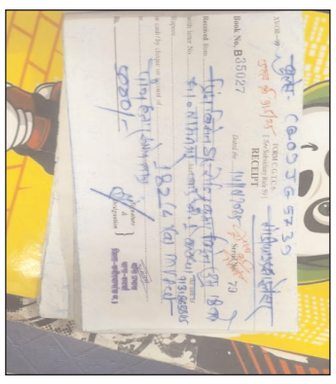

अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर के साथ बुलेट दौड़ाने वाले पर 5000 का चालान

कवर्धा (समय दर्शन)। भारत माता चौक में लगाए गए चेकिंग प्वाइंट पर पुलिस ने 14 अक्टूबर को शराब पीकर वाहन चलाने, तीन सवारी बैठाने और मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर शोरगुल व तेज रफ्तार से बाइक चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। इस दौरान प्रिंस बिसेन 18 वर्ष निवासी रामनगर कवर्धा को अपनी बुलेट में अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज गति से वाहन चलाते पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपी से ?5000 का चालान काटा गया। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं पंकज पटेल के मार्गदर्शन में कवर्धा नगर क्षेत्र में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन एसडीओपी कवर्धा कृष्ण कुमार चन्द्राकार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली कवर्धा निरीक्षक योगेश कुमार कश्यप के नेतृत्व में किया गया। पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न हिस्सों के साथ साथ जिले के सभी थाना क्षेत्र में सघन जांच कर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया। साथ ही बाइक पेट्रोलिंग के जरिए सुनसान इलाकों में मौजूद असामाजिक तत्वों को हटाया गया और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। कबीरधाम पुलिस का यह अभियान आमजन की सुरक्षा, शांति और अनुशासन कायम रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। साथ ही आगामी त्यौहार के मद्देनजर क्षेत्र में विशेष निगाह रखी जा रही है। मॉडिफाइड साइलेंसर न केवल गैरकानूनी हैं बल्कि दूसरों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनते हैं। पुलिस की अपील है कि नागरिक यातायात नियमों का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, तीन सवारी से बचें और अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध परिवर्तन न करें।

पिथौरा की बिटिया शिवानी नायडू स्वर्ण पदक से सम्मानित

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा की शान एवं होनहार बेटी शिवानी नायडू ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में शिवानी नायडू को बी.एससी. बायोटेक्नोलॉजी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें 17 अक्टूबर 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रामेन डेका द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति,प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएँ तथा अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिवानी की इस उपलब्धि पर परिवारजनों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। पिता चन्द्रशेखर नायडू, माता श्रीमती रीता नायडू, संरक्षक बलराज नायडू, श्रीमती देवी नायडू, तथा दादा हनुमंत राव नायडू ने इसे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि शिवानी की मेहनत, लगन और अनुशासन ने पूरे परिवार का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। अब शिवानी उच्च शिक्षा के माध्यम से अनुसंधान क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा रखती हैं।

पिथौरा क्षेत्र में भी शिवानी की इस सफलता को लेकर बधाइयों का तांता लगा हुआ है। लोगों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया।

बसना विद्यालय के छात्रों का राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कबड्डी व फूटबाल प्रतियोगिता में चयन

बसना(समय दर्शन)। बसना विकास खंड के शासकीय आदर्श हॉयर सेकेंडरी स्कूल बसना के छात्र बलदेव भोई एवम् देवाशीष साहू का रायपुर संभाग की ओर से सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करने पर राष्ट्रीय स्तरीय कबड्डी हेतु चयनित हुए हैं। आगमी माह में हरियाणा में आयोजित होने वाले 69 वीं राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसी तरह हॉयर सेकेंडरी स्कूल बसना के ही छात्र हिमांशु साहू तथा सेजेश स्कूल बसना के छात्र मनीष बंछोर राज्य स्तर में चयनित हुए हैं, जो कोंडागांव में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में रायपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन में विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोलहे, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर , बीआरसी अनिल सिंह साव, विद्यालय के प्राचार्य सुरेश पटेल, सेजेश प्राचार्य के के पुरोहित, कोच एवं पीटीआई सत्यनारायण ठाकुर का विशेष मार्गदर्शन रहा।

बसना के होनहार खिलाडियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन पर विकास खंड के अनेक समाजसेवी, पत्रकार, अधिकारी, कर्मचारी तथा खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की हैं। इन खिलाड़ियों का सफल मार्गदर्शन व्यायाम शिक्षक सत्यनारायण ठाकुर, इमरान दयाला, भोजराज सिदार, शंभुनाथ प्रधान, भूपेंद्र प्रधान, दुर्योधन पटेल, घनश्याम पटेल, रूपधर पटेल, अरुण कुजूर, चूड़ामणि कन्नौजे तथा राष्ट्रीय अंपायर एवं कोच हेमंत बारीक का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके तहत् राज्य के प्रतिभावान निम्न आय वर्ग के विद्यार्थी जो कि राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यवसायिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हे तात्कालिक सहायता प्रदान की जाएगी। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त योजना के तहत् आमंत्रण करने हेतु विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना चाहिए। विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग की सूची में शामिल होना चाहिए। उल्लेखित संस्था में चयन की पात्रता के साथ ही चयन होने का प्रमाण पत्र एवं प्रवेश लेने हेतु संस्था द्वारा जारी सूचना पत्र होना चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पालक की वार्षिक आय रूपए 2.50 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। शासकीय सेवकों के आश्रित इस योजना के पात्र नहीं होंगे किन्तु चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बच्चे इस योजना का लाभ ले सकेंगे।

बिहान स्वदेशी बाजार वीर सावरकर भवन कवर्धा में लगा दो माह पुराना पोस्टर

अगस्त का स्वदेशी बाजार अक्टूबर में लगाया अचंभित हुए लोग

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में बिहान स्वदेशी बाजार का आयोजन 16 से 18 अक्टूबर 2025 तक वीर सावरकर भवन, कवर्धा में किया गया है। लेकिन यहां मुख्यद्वार पर लगाया गया पोस्टर में दो महीने पुराना 16 अगस्त से 18 अगस्त तक बाजार लगने की जानकारी प्रसारित किया जा रहा था। ऐसे पोस्टर को देखकर आने जाने वाले लोग अचंभित होते रहे।

बिहान अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के द्वारा निर्मित स्वदेशी वस्तुओं जैसे मिट्टी की मुर्ति, दीया, बांस से बने सामाग्री, आचार, पापड़ बड़ी, पापड़, हल्दी, मिर्च, धनिया, मसाले, नमकीन, कुकीज, ऑर्गेनिक गुड़, कोदो-कुटकी, ब्लैक राईस इत्यादि का प्रदर्शनी सह विक्रय स्टॉल लगाया जा रहा है। बिहान स्वदेशी बाजार का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इसके उपभोग को बढ़ावा देना है। जनसमुदाय से अपील है कि उक्त बिहान स्वदेशी बाजार में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वदेशी वस्तुओं का क्रय कर महिला स्व-सहायता समूहों की दीदीयों का उत्सवर्धन करें और उनके आजीविका संवर्धन में सहयोगी बने। उल्लेखनीय है कि हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी का नारा देते हुए स्थानीय स्तर पर निर्मित आकर्षक एवं जैविक उत्पादों को उचित मूल्य पर आम जनता तक पहुंचना है। स्थानीय स्तर पर निर्मित इन वस्तुओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह कारगर कदम सिद्ध हो सकता है।

सड़क सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक : कलेक्टर-एसपी ने यातायात व्यवस्था सुधार को लेकर दिए कड़े निर्देश

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति, मादक पदार्थ नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। जिसके तारतम्य में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को बेहतर और सुरक्षित बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, श्री उदयन बेहार, जिला परिवहन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स की जानकारी लेते हुए वहां शीघ्र सुधारात्मक कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानों पर सांकेतिक बोर्ड, गति अवरोधक, ट्री रिफ्लेक्टर, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने हाईवे पर मौजूद गौठानों का चिन्हांकन कर आवारा मवेशियों को नियत स्थानों में रखने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही, जिन स्थानों पर पूर्व में दुर्घटनाएं हो चुकी हैं या जहां दुर्घटनाओं की संभावनाएं अधिक हैं, वहां विशेष सतर्कता बरतते हुए मरम्मत और सुधार कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे करने को कहा गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्कूलों में सड़क सुरक्षा की जानकारी देने के लिए और जागरूकता कार्यक्रम के तहत रोड सेफ्टी क्लब बनाया जाएगा। कलेक्टर ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अधिक से अधिक कार्रवाई करने और आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस उपाय अपनाने की बात कही। उन्होंने हाईवे पर स्थित उन ढाबों पर विशेष निगरानी रखने को कहा, जहां ट्रक सड़कों पर खड़े रहते हैं या मादक पदार्थों का सेवन कराया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठानों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने और उन पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। हाईवे पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए भी निर्देश जारी किए गए। उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग को अवारा मवेशियों को सुरक्षित रखने की कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने कहा।

राज्य स्तरीय जूनियर तीरंदाजी का भव्य आयोजन बागबाहरा में संपन्न

बालक इंडियन राउंड में विक्रम राज बिलासपुर ने प्रथम, रिकर्व राउंड में गीतेश यादव कोरबा ने प्रथम, कंपाउंड राउंड में रुस्तम राजनांदगांव ने प्रथम ने प्राप्त किया

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुंद जिला मे 25 वीं राज्य स्तरीय जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन, खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद तथा जिला तीरंदाजी संघ, बागबाहरा महासमुंद के तत्वाधान में दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को मिनी स्टेडियम सुनसुनिया बागबाहरा जिला महासमुंद में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका के बताएं अनुसार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के सम्पूर्ण मापदंडों का पालन किया गया। खिलाड़ियों में आत्मविश्वास की दृढ़ता आयी और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के वातावरण में खेलने का अनुभव इस मैदान पर मिला। जिले के खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, जिला तीरंदाजी संघ महासमुंद अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, सचिव एवन कुमार साहू, अरविंद छाबड़ा, पुनेंद्र चंद्राकर, सोमनाथ साहू, रिंकल बग्गा, मुकेश वेगड़, संजय पटेल एवं सदस्यगण द्वारा आयोजन को भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जिला एवं प्रदेश तीरंदाजी संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण ने भारतीय परंपरा अनुसार सितंबर 2025 में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप दक्षिण कोरिया में 02 पदक जीतने पर छत्तीसगढ़ के टोमनकुमार का आरती उतार व अक्षत-तिलक लगाकर स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में पदक विजेता टोमन ने बताया कि तीरंदाजी खेल में शारीरिक श्रम से ज्यादा मानसिक एकाग्रता की आवश्यकता होती है। गुरु (प्रशिक्षक) के मार्गदर्शन बिना विश्व की कोई भी विद्या अपेक्षा अनुरूप परिणाम नहीं दे सकती, उसी तरह तीरंदाजी में भी प्रशिक्षक के बताए मार्ग पर चलकर ही एक सफल तीरंदाज बना जा सकता है। खेल भावना, अनुशासन और आपसी सहयोग से आपके अंदर की खेल प्रतिभा और भी ज्यादा निखरती है।

महासमुंद जिले से खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर भोरिंग से डोमेश्वरी, दुर्गेश्वरी साहू, नीलम साहू, सारोन, अबीर पांडे, भास्कर, गजेन्द्र, पीयूष, जयंत ठाकुर, उमेश बरिहा एवं जिला तीरंदाजी संघ से जया साहू, सत्यभामा साहू, ओम प्रकाश, लक्ष्मण, टुकेश, लोकेश, चांदनी साहू, तृषा प्रजापति, जया पहाटिया, पद्मा साहू ने भागीदारी किया।

राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में तीरंदाजी के तीनों विधाओं इंडियन राउंड, रिकर्व राउंड एवं कंपाउंड राउंड को शामिल किया गया, जिसमें प्रदेश भर से 17 जिलों से 27 टीम जिसमें बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, दंतेवाड़ा, जशपुर, बालोद, खैरागढ़, राजनांदगांव, शक्ति, कोरबा, बीजापुर, सरगुजा, जगदलपुर, गरियाबंद, कोंडागांव, रायगढ़, महासमुंद जिले एवं खेलो इंडिया सेंटर, साईं सेंटर के जूनियर बालक एवं बालिका कुल 240 तीरंदाज व 55 कोच मैनेजर शामिल हुए। महासमुंद जिले के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिला, जिसमें खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग महासमुंद एवं बॉल आश्रम बिहाझर बागबाहरा के खिलाड़ी शामिल हुए।

राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप बागबाहरा के उद्घाटन समारोह के अवसर पर अतिथि में वर्ल्ड चैंपियनशिप साऊथ कोरिया में 02 पदक विजेता पैरा तीरंदाजी खिलाड़ी टोमन कुमार, अलका नरेश चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष, सविता दीवान, अजय कुमार सिंहा, पुष्पेंद्र चंद्राकर, भोपाल सिंह बंजारा, अविनेश कोसे, चंद्रकांत सेन जिले से आए प्रशिक्षक शामिल रहे।

153 हथियारों के साथ 210 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

बस्तर में नक्सल उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक दिन, बंदूक छोड़ संविधान अपनाने वालों का स्वागत - मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बस्तर में 210 माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण को राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जो युवा कभी माओवाद के झूठे विचारधारा के जाल में फंसे थे, उन्होंने आज संविधान, लोकतंत्र और विकास की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन केवल बस्तर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए ऐतिहासिक है। जिन युवाओं ने वर्षों तक अंधेरी राहों पर भटककर हिंसा का मार्ग चुना, उन्होंने आज अपने कंधों से बंदूक उतारकर संविधान को थामा है। यह न केवल आत्मसमर्पण का क्षण है, बल्कि विश्वास, परिवर्तन और नये जीवन की शुरुआत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में बंदूकें छोड़कर सुशासन पर विश्वास जताने वाले इन युवाओं से मेरी मुलाकात मेरे जीवन के सबसे भावनात्मक और संतोष देने वाले पलों में से एक रही। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि बदलाव नीतियों और विश्वास से आता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025, ‘नियद नेल्ला नार योजना’ और ‘पूना मारगेम – पुनर्वास से पुनर्जीवन’ जैसी योजनाएँ विश्वास और परिवर्तन का आह्वान हैं। इन्हीं नीतियों के प्रभाव से नक्सल प्रभावित इलाकों में बंदूक छोड़कर लोग शासन की विश्वास और विकास की प्रतिज्ञा को स्वीकार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज का यह दृश्य केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के शांतिपूर्ण भविष्य का शिलान्यास है। हमारी सरकार आत्मसमर्पितों के पुनर्वास और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की प्रतिज्ञा है कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में यह प्रतिज्ञा पूर्ण हो रही है। छत्तीसगढ़ अब शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर अग्रसर है।

राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और शांति, संवाद एवं विकास पर केंद्रित सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप बस्तर संभाग में आज नक्सल विरोधी मुहिम को ऐतिहासिक सफलता मिली है। ‘पूना मारगेम दू पुनर्वास से पुनर्जीवन’ कार्यक्रम के अंतर्गत दण्डकारण्य क्षेत्र के 210 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है।

यह आत्मसमर्पण विश्वास, सुरक्षा और विकास की दिशा में बस्तर की नई सुबह का संकेत है। लंबे समय से नक्सली गतिविधियों से प्रभावित अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर क्षेत्र में यह ऐतिहासिक घटनाक्रम नक्सल उन्मूलन अभियान के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव रखी है। पुलिस, सुरक्षा बलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और सजग नागरिकों के समन्वित प्रयासों से हिंसा की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में परिवर्तित किया जा सका है।

यह पहली बार है जब नक्सल विरोधी अभियान के इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में वरिष्ठ माओवादी कैडरों ने एक साथ आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, चार डीकेएसजेडसी सदस्य, 21 डिविजनल कमेटी सदस्य सहित अनेक वरिष्ठ माओवादी नेता शामिल हैं। इन कैडरों ने कुल 153 अत्याधुनिक हथियार जिनमें एके-47, एसएलआर, इंसास, राइफल और एलएमजी शामिल हैं, समर्पित किए हैं। यह केवल हथियारों का समर्पण नहीं, बल्कि हिंसा और भय के युग का प्रतीकात्मक अंत है। एक ऐसी घोषणा, जो बस्तर में शांति और भरोसे के युग की शुरुआत का संकेत देती है। मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख माओवादी नेताओं में सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी सदस्य भास्कर उर्फ राजमन मांडवी, रनीता, राजू सलाम, धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम सहित कई वांछित और इनामी कैडर शामिल हैं। इन सभी ने संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया।

यह ऐतिहासिक आयोजन जगदलपुर पुलिस लाइन परिसर में हुआ, जहाँ आत्मसमर्पित कैडरों का स्वागत पारंपरिक मांझी-चालकी विधि से किया गया। उन्हें संविधान की प्रति और शांति, प्रेम एवं नए जीवन का प्रतीक लाल गुलाब भेंट कर सम्मानित किया गया। मांझी-चालकी प्रतिनिधियों ने कहा कि बस्तर की परंपरा सदैव प्रेम, सहअस्तित्व और शांति का संदेश देती रही है। जो साथी अब लौटे हैं, वे इस परंपरा को नई शक्ति देंगे और समाज में विश्वास की नींव को और मजबूत करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी आत्मसमर्पित कैडरों ने संविधान की शपथ लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वे अब हिंसा के बजाय विकास और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में योगदान देंगे। ‘वंदे मातरम’ की गूंज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम

रायपुर। ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राष्ट्रीय आजीविका मिशन (बिहान) एवं पशुधन विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से अम्बिकापुर जिले के अंतर्गत ग्राम पंचायत सकालो में साप्ताहिक बकरी मंडी का शुभारंभ किया गया है। बकरी पालन से रोजगार के अवसर, आय में वृद्धि होती है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। यह आय का एक स्थायी स्रोत प्रदान करता है, क्योंकि बकरियों से दूध और मांस दोनों प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, बकरी पालन पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि बकरियां कम जगह लेती हैं और उनकी खाद मिट्टी को उपजाऊ बनाती है।

सकालो बाजार के पास संचालित इस मंडी का संचालन मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है। इससे ग्रामीण पशुपालकों के लिए व्यापार के लिए नई मंडी मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर बकरी पालन से जुड़ी महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनेगा। अब ग्रामीण महिलाएं अपनी बकरियां सीधे मंडी में बेच सकती हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों पर निर्भरता समाप्त होगी।

महिलाओं को मिलेगा लाभ, बढ़ेगी आत्मनिर्भरता- सकालो की बकरी पालक श्रीमती मानमति मरावी ने बताया कि पहले व्यापारी बकरियाँ मनमाने दामों पर खरीद लेते थे, जिससे हमें सही लाभ नहीं मिल पाता था। अब मंडी खुलने से अपने ही पंचायत में बकरियों का अच्छा दाम मिल रहा है। इससे आमदनी बढ़ेगी और बकरी पालन में रुचि भी बढ़ी है। वहीं बकरी खरीदने आई कल्पना सिंह ने कहा कि अब हमें 15 किलोमीटर दूर बाजार नहीं जाना पड़ेगा। सकालो पंचायत में ही साप्ताहिक बकरी मंडी लगने से उचित दर पर बकरियां मिल जाती हैं। शासन और जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण महिलाओं की आजीविका के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो रही है।

स्वयं सहायता समूहों के लिए नया अवसर- राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत संचालित बकरी मंडी से स्वयं सहायता समूह की दीदियों को रोजगार का नया अवसर मिलेगा। समूह की सदस्य महिलाएं न केवल मंडी के संचालन और व्यवस्था का कार्य देख रही हैं, बल्कि बकरी पालन से संबंधित अन्य गतिविधियों जैसे पशु आहार वितरण, स्वास्थ्य जांच, और खरीद-बिक्री के आँकड़ों के संकलन में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

दीवाली पर ‘महिला उद्यमिता स्टॉल’ में झलकी बिहान की चमक

स्व-सहायता समूहों ने किया उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय

रायपुर। दीपावली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान के अंतर्गत महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला उद्यमिता स्टॉल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत मुंगेली (छत्तीसगढ़) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। स्टॉल में पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुएं, जैसे दीये, मिठाई, पूजा-पाठ की सामग्री, अगरबत्ती, धूप, कलश, ग्वालिन दीया-गुल्लक, झूमर मिरर, बाने हुए, स्कार्फ थैले आदि आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय ने स्टॉल का अवलोकन किया और

समूह की महिलाओं की सराहना करते हुए आर्थिक रूप से आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के मौके पर लगाई गई यह प्रदर्शनी न केवल उत्सव की रौनक बढ़ा रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की मिसाल भी पेश कर रही है। बिहान योजना के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अपने स्थानीय उत्पादों के माध्यम से लोकल को वोकल बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। इस स्टॉल के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों को बाजार से जोड़ने, ग्राहकों से संवाद स्थापित करने और व्यवसायिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। स्थानीय नागरिक भी इन हस्तनिर्मित वस्तुओं को उत्साहपूर्वक खरीदकर महिलाओं के इस प्रयास को प्रोत्साहन दे रहे हैं।

मनरेगा से साकार हुआ सपनों का आंगनबाड़ी केंद्र

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल रोजगार का साधन ही नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बन गई है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरीपानी में नया आंगनबाड़ी केंद्र भवन बनकर तैयार हुआ है। इस भवन के निर्माण से न केवल नौनिहालों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिला है, बल्कि ग्रामवासियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। आंगनबाड़ी केंद्र पूर्व में एक छोटे किराए के भवन में संचालित होता था, जहां सीमित स्थान के कारण बच्चों को पढ़ाई और खेल-कूद में कठिनाई होती थी। अब 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह नया आंगनबाड़ी भवन बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। निर्माण कार्य के दौरान 494 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

नव निर्मित आंगनबाड़ी भवन में हॉल,

कार्यालय, रसोईघर और शौचालय जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भवन की दीवारों पर अक्षर ज्ञान, शिक्षाप्रद चित्र और मनमोहक कार्टून उकेरे गए हैं, जिससे बच्चे खेल-खेल में सीख रहे हैं। सहायिका ने बताया कि वर्तमान में केंद्र में 22 बच्चे पंजीकृत हैं और अब बच्चों की उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आंगनबाड़ी में नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हुआ है। साथ ही किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता और पोषण संबंधी जानकारी दी जा रही है तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पूरक पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा मनरेगा के तहत जिले में कुल 393 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इनका निर्माण कार्य तेज़ी से जारी है। यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के पोषण व शिक्षा स्तर को ऊंचा उठा रही है, बल्कि रोजगार सृजन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने दीपावली पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने दीपों के पंचपर्व, धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल श्री डेका ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पर्व हमारी समृद्ध और वैभवशाली भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। यह त्यौहार समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि दीपों की उज्ज्वल ज्योति हमारे जीवन से अज्ञान और नकारात्मकता का अंधकार मिटाकर ज्ञान, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करे राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि इस पर्व पर हम पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लें। उन्होंने कामना की कि दीपों के पर्व का यह त्यौहार सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

मुख्यमंत्री के निर्देश का हुआ त्वरित अमल, मुसाफिर पंजी में दर्ज होने लगा रिकॉर्ड

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा हाल ही में आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के साथ ही 'मुसाफिर पंजी' के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया था कि गांवों में बाहरी राज्यों एवं शहरों से आने वाले व्यक्तियों का पूरा ब्यौरा संधारित किया जाए वे किस उद्देश्य से आए हैं, कहां से आए हैं, कितने समय के लिए रुके हैं, तथा उनका नाम, पता, आधार और मोबाइल नंबर इत्यादि जानकारी कोटवार के पंजी में दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के त्वरित अनुपालन में तहसील सोनहत में सभी 79 कोटवारों द्वारा मुसाफिर पंजी संधारित किया गया है। पंजी का निरीक्षण संबंधित पटवारी एवं कानूनगो द्वारा किया गया है, जिससे दर्ज जानकारी का सत्यापन सुनिश्चित हुआ है।इन पंजियों में बाहरी शहरों एवं राज्यों से आने वाले फेरीवाले, बर्तन बेचने वाले, श्रृंगार सामग्री विक्रेता सहित अन्य मुसाफिरों का विवरण नियमित रूप से दर्ज किया जा रहा है। इस पहल से ग्राम स्तर पर आने-जाने वालों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

एसीबी की दो बड़ी कार्रवाई: बीएमओ और एएसआई रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को दो अलग-अलग जिलों बिलासपुर और कोरिया में एक साथ कार्रवाई करते हुए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) और एएसआई (एएसआई) को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सक्तीः बीएमओ ने मांगे थे 32,500 रुपए, 15 हजार लेते गिरफ्तार- बिलासपुर स्थित एसीबी को उमेश कुमार चंद्रा, निवासी डभरा, जिला सक्ती ने शिकायत दी थी कि वह ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कार्यालय, डभरा में बाबू के पद पर पदस्थ है। उसकी यात्रा भत्ता बिल (TA बिल) के भुगतान के एवज में बीएमओ राजेंद्र कुमार पटेल ने ?32,500 की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 16,500 पहले ही ले चुका था। प्रार्थी रिश्वत देने के बजाय आरोपी को रंगे हाथ पकड़वाना चाहता था। सत्यापन के दौरान आरोपी शेष 15,000 लेने के लिए राजी हुआ। इसके बाद ACB की टीम ने ट्रैप बिछाकर राजेंद्र कुमार पटेल को 15 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कोरियाः एएसआई और उसके साथी को 12 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया- दूसरी कार्रवाई एसीबी अंबिकापुर की टीम ने कोरिया जिले में की। शिकायतकर्ता मोहम्मद शाह खान, निवासी ग्राम खोड़ ने बताया कि उसकी बेटी आशिया नाज का एक्सीडेंट अश्वनी कुमार उर्फ पिंटू ने मोटरसाइकिल से कर दिया था, जिससे उसका पैर टूट गया। इस संबंध में उसने 27 सितंबर 2025 को थाना पटना में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर के बाद विवेचना कर रहे एएसआई पी. टोप्पो ने अंतिम रिपोर्ट तैयार करने और आरोपी से इलाज का खर्च दिलाने के नाम पर ?10,000 की रिश्वत मांगी।

मधुमेह की रामलीला : डॉ अजय सहाय की अद्भुत प्रस्तुति

कलाकारों ने डायबिटीज के प्रति दिया जागरूकता का संदेश

रायपुर- रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज द्वारा रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस में डायबिटीज के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से डॉ अजय सहाय द्वारा लिखित व निर्देशित नृत्य नाटिका मधुमेह की रामलीला ने समा बांध दिया। रामायण की तर्ज पर दोहे और चौपाइयों से युक्त इस नाटिका के कॉन्सेप्ट क्रिएटर डॉ राका शिवहरे थे।

इस नाटिका में रावण (डॉ स्मित श्रीवास्तव) को मधुमेह का प्रतीक दिखाया गया है जिसने सीता रूपी इंसुलिन का अपहरण कर रखा है। भगवान राम (डॉ राका शिवहरे), सीता (डॉ शिखा शिवहरे), हनुमान (पुष्पेन्द्र सिंह), विभीषण (डॉ प्रणय जैन) मधुमेह रूपी रावण से बचने के अलग अलग ढंग से तरीके बताते हैं। डॉ संध्या दुबे, डॉ मनोज सोनी एवं डॉ अनुराग अग्रवाल ने पीड़ित जनता की भूमिका अदा की है। सूत्रधार यानि नारद मुनि की भूमिका डॉ अजय सहाय ने स्वयं निभाई है जो सभी जगह घूम घूम कर यह संदेश देते हैं कि इस मधुमेह रूपी रावण का वध अस्त्र शास्त्र से संभव नहीं है। इससे जागरूकता से मारना होगा जिसके लिए हम सभी को सहयोग करना होगा। इस भव्य और मनमोहक प्रस्तुति में बड़ी

खूबसूरती से मधुमेह होने के कारण और उनसे बचने के तरीके बताए गए हैं। सभी कलाकारों ने उम्दा अभिनय किया है।विशेष रूप से रावण की भूमिका में डॉ स्मित श्रीवास्तव, राम सीता की भूमिका में डॉ राका एवं डॉ शिखा शिवहरे और हनुमान की भूमिका में बॉलीवुड अभिनेता पुष्पेन्द्र सिंह ने खूब तालियां बटोरी। दिन रात मरीजों की सेवा और ऑपरेशन थिएटर में व्यस्त रहने वाले डाक्टरों को इतनी दक्षता के साथ मंच पर प्रस्तुत करने के लिए डॉ अजय सहाय प्रशंसा के पात्र हैं। डॉ सहाय ने बताया कि हमारे देश में मधुमेह यानि डायबिटीज बेहद तेजी से अपने पैर पसार रहा है। भारत को डायबिटीज की वर्ल्ड कैपिटल के रूप में जाना जाता है। इसलिए लोगों को इस रोग के प्रति जागरूक बनाना बहुत जरूरी है। इसी उद्देश्य को लेकर इस नाटिका की रचना की गई है। इसका पूरे देश में मंचन किया जाएगा।

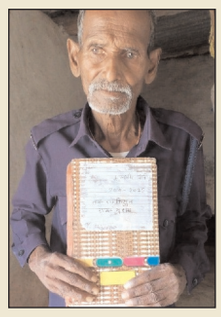

नक्सली लीडर रूपेश ने माओवादियों से की अपील

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद पर सरकार और सुरक्षा बलों की सख्त रणनीति का असर अब साफदिखने लगा है। एक समय राज्य के घने जंगलों में निर्दोषों का खून बहाने वाले नक्सली अब सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई के आगे हथियार डालने को मजबूर हो रहे हैं। कल यानी शुक्रवार 17 अक्टूबर को प्रदेश में नक्सल उन्मूलन के इतिहास का एक बड़ा अध्याय लिखा जाएगा, जब 140 से अधिक नक्सली मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सामने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटेंगे। आत्मसमर्पण से ठीक एक दिन पहले नक्सलियों के प्रवक्ता रहे रूपेश उर्फ तक्कलापल्ली वसुदेव राव (सतीश) ने अपने साथियों के नाम एक संदेश जारी किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, जगदलपुर में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी रूपेश उर्फ तक्कलापल्ली वसुदेव राव (उर्फसतीश) के नेतृत्व में करीब 140 नक्सली और 100 से अधिक हथियार प्रशासन को सौंपेंगे। इसके लिए पुलिस और प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। बताया जा रहा है कि ये सभी नक्सली भैरमगढ़ क्षेत्र से कूच कर जगदलपुर पहुंच रहे हैं। इससे पहले, कांकेर जिले के कामतेड़ा बीएसएफ कैंप में स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य भास्कर मंडावी की अगुवाई में 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें कई वांछित और बड़े इनामी नक्सली भी शामिल थे। इन सबने सरकार की पुनर्वास योजना के तहत समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत करेंगे — विजय शर्मा राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर कहा कि बड़ी संख्या में नक्सली समाज की मुख्यधारा से जुड़ने को तैयार हैं। हम उनका रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सामने रूपेश और उसके साथियों का आत्मसमर्पण ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

संपादकीय

आखिर समाधान क्या है?

कथित जातीय उत्पीड़न के मामले अक्सर सामने आते हैं। मामला शांत होने तक हर बार यही चर्चा होती है कि आज भी किस हद तक जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई. पूरन कुमार की आत्म-हत्या को संस्थागत जातीय उत्पीड़न की मिसाल बताया गया है। कुमार ने सात अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने 15 वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और जातिगत भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए। स्वाभाविक है कि मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। इसी समय मध्य प्रदेश की एक घटना भी सुर्खियों में है। इसके मुताबिक दमोह जिले में एक ओबीसी युवक को कथित रूप से जबरन एक ब्राह्मण व्यक्ति का पैर धोकर पानी पिलाया गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सामाजिक संगठनों ने वहां विरोध प्रदर्शन किया। ये घटनाएं कोई अजूबा नहीं हैं। अक्सर विभिन्न क्षेत्र के संस्थानों से लेकर गांव-देहात तक से कथित जातीय उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं। जब तक मामला शांत नहीं होता, उसको लेकर यही चर्चा होती है कि भारतीय समाज में आज भी जातिवाद और जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। कुछ जातियों को उत्पीड़क बता कर या सदियों से मौजूद जातीय उत्पीड़न की चर्चा कर इंसाफ के पैरोकार आगे बढ़ जाते हैं। वे यह सवाल नहीं उठाते कि सौ-डेढ़ सौ साल से इसी तरह का विमर्श जारी रहने, संविधान में तमाम भेदभाव खत्म करने के स्पष्ट प्रावधान होने और साढ़े तीन दशक से सामाजिक न्याय की राजनीति के हावी रहने के बावजूद हालात क्यों नहीं बदले हैं? ये कठिन और असहज करने वाले प्रश्न हैं। इनकी तह में जाने पर नजर आएगा कि खुद किस तरह जातिगत पहचान और प्रतिनिधित्व को सामाजिक न्याय का पर्याय बना कर इसके पैरोकारों ने सारा विमर्श जातिवाद पर केंद्रित कर दिया है। इससे वंचित समूहों के बीच व्यापक एकता और समाज के आधुनिकीकरण की संभावनाएं क्षीण हो गई हैं। नतीजतन, जाति के विनाश का वह लक्ष्य पीछे छूट गया है, जिसे केंद्र में रखकर आधुनिक भारत के निर्माण की परियोजना शुरू की गई थी। इससे कुछ नेता-परिवारों और मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों को अवश्य लाभ हुआ है, मगर जातिवाद या जमीनी स्तर पर जातीय भेदभाव को खत्म करने का मार्ग और बाधित ही हुआ है।

तालिबानी अब हमारे सखा है!

शरुति व्यास

कुछ दिनों से भारत में एक ही ख़बर है! और वह एक तालिबानी के दौरे की है। बाक़ी सब कुछ, चाहे बिहार चुनाव हो, सीट बँटवारे की जोड़-बाकि, या ग़ाज़ा में युद्धविराम की खबर, सब साइडलाइन पर खिसक गए हैं। दिल्ली का फोकस केवल तालिबान पर केंद्रित है। और यह सिर्फ़ जिज्ञासा नहीं है। हाँ, उन्हें चलते, बोलते, कैमरे के सामने सहज होते देखना एक तमाशे जैसा है, लेकिन तालिबान प्रतिनिधिमंडल खुद भी जानता है कि यह ध्यान उनके काम आता है। भारत में यह उनका मौका है — दिखने, सुने जाने और शायद थोड़ा घूमने-फिरने का भी। इस पूरे सप्ताह के नज़ारे के केंद्र में हैं आमिर ख़ान मुत्ताक़ी, तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री। वही मुत्ताक़ी जिनकी यात्रा पर अब भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत आंतकी के नाते पाबंदी है, वे अब दिल्ली के झूमरों के नीचे तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, लेकिन 2021 में पद संभालने के बाद उनकी दसवीं विदेश यात्रा। उनमें से पाँच क़तर, तीन पाकिस्तान, और दो-दो चीन, ईरान और तुर्की के लिए थीं। अब दिल्ली भी उस सूची में शामिल हो गया है। और दिल्ली से उनका जुड़ना प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। 10 अक्टूबर को मुत्ताक़ी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाक़ात की, भारत द्वारा अफ़ग़ानिस्तान भेजी जा रही एम्बुलेंसों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, और काबुल में भारतीय दूतावास फिर से खोलने पर चर्चा की जो चार साल पहले तालिबान की सत्ता वापसी के बाद बंद कर दिया गया था। मुत्ताक़ी के मुँह से अच्छे दोस्त और जयशंकर के बयान में करीबी सहयोग जैसे शब्द दर्शाते हैं कि भारत की नीति में यह बदलाव संयोग नहीं, सुविचारित है। चार साल पहले तक यह सब असंभव लगता था। 2021 में जब अमेरिका ने अफ़ग़ानिस्तान से वापसी की समयसीमा तय की, तो दिल्ली स्तब्ध थी। 15 अगस्त को काबुल पर तालिबान के कब्ज़े ने भारत को रातों-रात दूतावास और वाणिज्य दूतावास बंद करने पर मजबूर कर दिया। हज़ारों अफ़ग़ान छात्र, व्यापारी और मरीज़ अचानक फँस गए। भारत ने एक झटके में लगभग सभी वीज़ा रद्द कर दिए। वह क्लिक आतंक और पलायन दोनों का प्रतीक था। लेकिन कूटनीति, जैसे शक्ति, खालीपन को बर्दाश्त नहीं करती। सिर्फ़ एक साल में भारत ने फिर से संतुलन साधना शुरू किया। जून 2022 में एक तकनीकी दल चुपचाप काबुल भेजा गया ताकि मानवीय सहायता की निगरानी कर सके। 2023 के अंत तक तालिबान अधिकारियों को भारतीय वीज़ा मिलने लगे, दिल्ली में उनके प्रतिनिधि नियुक्त हुए और मुंबई व हैदराबाद में वाणिज्य दूतावास खुले। जो संपर्क मानवीय कहलाया था, वह धीरे-धीरे औपचारिक संवाद में बदल गया। यह परोपकार नहीं, रणनीतिक समायोजन था — यह स्वीकारोक्ति कि तालिबान कोई गुजरती लहर नहीं बल्कि इस क्षेत्र की नई और स्थायी वास्तविकता है। और अगर दिल्ली पीछे रहती, तो चीन, ईरान और रूस अफ़ग़ानिस्तान के अगले अध्याय को उसके बिना लिख देते। यहाँ एक गहरी विडंबना भी है। एक हिंदू राष्ट्रवादी सरकार, जो अपने भीतर सभ्यतागत विमर्श और इस्लाम के प्रति अविश्वास पर टिकी है, अब अपने पड़ोस में एक इस्लामी थियोक्रेसी के साथ बैठी है। जिस नेतृत्व की वैचारिक पहचान भीतर विरोध पर टिकी है, उसके लिए तालिबान का दिल्ली में स्वागत एक साथ विरोधाभास भी है और व्यावहारिकता भी। क्योंकि विदेश नीति शायद ही कभी घरेलू राजनीति की परछाई होती है। भारत इस समय जिस नीति का अभ्यास कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों की क्लासिक यथार्थवादी धारा है — रियलिज़्म — जिसे हांस मॉर्गेन्थाउ और केनेथ वाल्ट्ज़ ने परिभाषित किया था- राष्ट्र आदर्शों से नहीं, हितों से चलते हैं। इस दुनिया में न स्थायी दोस्त होते हैं, न स्थायी दुश्मन — सिर्फ़ स्थायी बेचैनियाँ। भले ही भाजपा की सांस्कृतिक राजनीति धार्मिक द्वंद्व पर चलती है, उसकी विदेश नीति इन सीमाओं से काफ़ी आगे निकल चुकी है।

धनतेरसः समृद्धि का नहीं, संवेदना का उत्सव

डॉ. सत्यवान सौरभ

धनतेरस का अर्थ केवल 'धन' नहीं बल्कि 'ध्यान' भी है — ध्यान उस पर जो हमारे जीवन को सार्थक बनाता है। यह त्योहार हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि समृद्धि का असली अर्थ क्या है। अगर घर में प्रेम है, परिवार में एकता है, मन में शांति है, और समाज में करुणा है—तो यही सबसे बड़ा धन है। इसलिए इस धनतेरस पर केवल चाँदी की चमक नहीं, अपने मन की उजास बढ़ाइए। अपने भीतर के अंधकार को पहचानिए और प्रेम, संयम और सेवा का दीप जलाइए। यही होगी असली पूजा—जहाँ लक्ष्मी केवल तिजोरी में नहीं, व्यवहार में भी बसती है।

धनतेरस का नाम लेते ही आंखों के सामने दीपों की उजास, सोने-चांदी की झिलमिलाहट, बाज़ारों का रौनकभरा शोर और पूजा की तैयारियों में जुटे घर-घर के दृश्य उभर आते हैं। यह दिन न केवल खरीदारी का त्योहार है, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे दर्शन का प्रतीक भी है। यह वह दिन है जब लोग मानते हैं कि लक्ष्मी माता घर आएंगी, समृद्धि का आशीर्वाद देंगी, और दुर्भाग्य के अंधकार को मिटा देंगी। परंतु अगर हम इस पर्व के पीछे के दर्शन को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि धनतेरस का अर्थ केवल सोना-चांदी खरीदना नहीं, बल्कि 'धन' की सही परिभाषा को समझना है।

'धन' शब्द संस्कृत के 'धना' से बना है, जिसका अर्थ केवल संपत्ति या पैसा नहीं बल्कि समृद्धि, सुख और संतोष का संगम है। प्राचीन ग्रंथों में धनतेरस को 'धनत्रयोदशी' कहा गया है — अर्थात धन और स्वास्थ्य दोनों की कामना का दिन। इसी दिन समुद्र मंथन से धनवंतरि देवता अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, जिन्होंने मानवता को स्वास्थ्य का वरदान दिया। यही कारण है कि इस दिन को आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। जब दुनिया धन को केवल भौतिक संपत्ति के रूप में देखती है, तब भारतीय दर्शन इसे शरीर, मन और आत्मा की समृद्धि के रूप में देखता है।

आज के समय में धनतेरस का रूप काफी बदल गया है। पहले जहां यह दिन दीप जलाने, घर साफ़ करने और देवी-देवताओं की पूजा का होता था, अब यह दिन शॉपिंग मॉल और ऑनलाइन सेल का प्रतीक बन गया है। धनतेरस आते ही लोग सोना, चांदी, कार, बाइक, फ्रिज, टीवी, मोबाइल—सब कुछ खरीदने की होड़ में लग जाते हैं। लेकिन क्या यही असली 'धन' है? क्या केवल महंगी वस्तुएं खरीदकर हम सच में समृद्ध हो जाते हैं? शायद नहीं। असली समृद्धि तो उस मन में है जो संतोष जानता है, उस घर में है जहाँ प्रेम की दीवारें मजबूत हैं, और उस समाज में है जहाँ सभी के पास रोटी, कपड़ा और सम्मान हो।

धनतेरस हमें यह भी सिखाता है कि धन का उपयोग कैसा हो। जब धन भगवान धनवंतरि से जुड़ा हुआ है, तो इसका अर्थ यह भी है कि धन स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा के लिए होना चाहिए, न कि दिखावे और व्यर्थ विलासिता के लिए। लेकिन आज की हकीकत यह है कि लोग धनतेरस पर नई चीज़ें खरीदने के लिए कर्ज़ तक ले लेते हैं। त्योहार खुशियों का होना चाहिए, पर वह तनाव और तुलना का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया पर कौन कितना खरीद रहा है, किसने कौन-सी गाड़ी ली—यह तुलना हमें भीतर से खोखला कर देती है। असली पूजा तो तब है जब हम अपने जीवन में संतुलन और संयम को जगह दें।

एक समय था जब धनतेरस के अवसर पर लोग मिट्टी के दीप, तांबे या पीतल के बर्तन खरीदते थे। यह परंपरा केवल प्रतीकात्मक नहीं थी, बल्कि वैज्ञानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थी। मिट्टी के दीप अंधकार मिटाने का प्रतीक हैं, और धातु के बर्तन स्वास्थ्य व सकारात्मक ऊर्जा का। लेकिन अब इन बर्तनों की जगह चमकदार चाइनीज़ लाइट्स और प्लास्टिक के सजावटी सामान ने ले ली है। पहले जहां घरों में 'शुभ-लाभ' लिखकर दीवारें सजी होती थीं, अब 'डिस्काउंट' और 'कैशबैक' के बोर्ड झिलमिला रहे हैं। यह बदलाव केवल बाहरी नहीं, बल्कि हमारे भीतर के मूल्यबोध में भी आया है।

धनतेरस का एक और गहरा संदेश है—'धन' और 'धर्म' के संतुलन का। यदि धन अधर्म के मार्ग से अर्जित किया गया है, तो वह कभी सुख नहीं दे सकता। महाभारत में कहा गया है—धनं धर्मेण सञ्चयेत यानी धन को धर्म के मार्ग से अर्जित करो। आज जब समाज में भ्रष्टाचार, लालच और अनैतिक कमाई बढ़ रही है, तब धनतेरस हमें याद दिलाता है कि असली पूजा वह नहीं जो सोने के दीपक से हो, बल्कि वह है जो ईमानदारी और परिश्रम से कमाए धन से की जाए। इस दिन जब हम दीप जलाते हैं, तो वह केवल बाहर का अंधकार नहीं मिटाता, बल्कि भीतर के लालच, ईर्ष्या और मोह के अंधकार को भी दूर करने का संदेश देता है।

इस पर्व का एक आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक पक्ष भी है। कार्तिक मास की त्रयोदशी के दिन मौसम बदलता है, सर्दी की शुरुआत होती है, और शरीर में रोगों की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भगवान धनवंतरि की पूजा करना इस बात का प्रतीक है कि हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। धनतेरस का अर्थ केवल धन प्राप्ति नहीं, बल्कि दीर्घायु, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन की प्राप्ति भी है। जब शरीर स्वस्थ होगा, तभी जीवन में वास्तविक सुख और समृद्धि होगी।

अगर हम अपने पुरखों की जीवनशैली देखें, तो वे त्योहारों को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं मानते थे, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन का अवसर भी समझते थे। धनतेरस के दिन घरों की सफाई का चलन केवल देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रतीक के रूप में भी था। दीप जलाना केवल अंधकार हटाने के लिए नहीं, बल्कि प्रदूषण कम करने और वातावरण को पवित्र करने का एक उपाय भी था। लेकिन आज सफाई की जगह सजावट ने ले ली है, और पवित्रता की जगह दिखावे ने।

धनतेरस समाज में समानता का भी प्रतीक रहा है। पुराने समय में अमीर-गरीब सभी इस दिन अपने घरों में दीप जलाते थे। किसी के पास सोना-चांदी न हो तो वह मिट्टी का दीपक जलाकर भी अपनी श्रद्धा प्रकट करता था। आज यह भाव कम होता जा रहा है। त्योहार जो कभी सबको जोड़ता था, अब वर्गों में बाँट रहा है। मॉलों की चकाचौंध में झुग्गियों की अंधेरी रातें दब जाती हैं। यह सोचने की बात है कि अगर लक्ष्मी सच्चे मन से हर घर में आती हैं, तो इतने लोग भूखे क्यों हैं? इतने किसान कर्ज़ में क्यों मर रहे हैं? क्या हमने लक्ष्मी को केवल अमीरों की देवी बना दिया है?

धनतेरस का वास्तविक संदेश यही है कि हमें धन का सही उपयोग करना सीखना चाहिए। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारा धन कितने लोगों के जीवन में रोशनी लाता है। अगर हम अपने धन से किसी गरीब की मदद करें, किसी बीमार के इलाज में सहयोग दें, किसी जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में योगदान दें—तो वही असली धनतेरस होगी। लक्ष्मी तभी स्थायी होती हैं जब उनका उपयोग दूसरों की भलाई में होता है। वरना वह केवल कुछ समय की झिलमिलाहट बनकर रह जाती हैं।

आज के युग में जब हम डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शॉपिंग और कृत्रिम रोशनी के बीच धनतेरस मना रहे हैं, तब यह और भी ज़रूरी है कि हम इस पर्व की आत्मा को पहचानें। यह पर्व हमें अपने घर के साथ-साथ अपने मन का भी 'क्लीनिंग डे' बनाने का अवसर देता है। अपने भीतर के लोभ, ईर्ष्या, स्वार्थ और दिखावे की धूल झाड़कर अगर हम मन में करुणा, ईमानदारी और प्रेम के दीप जला सकें, तो वही सच्चा धनतेरस होगा।

धनतेरस केवल एक दिन नहीं, एक दृष्टिकोण है—जीवन को संतुलित, स्वास्थ्यपूर्ण और अर्थपूर्ण बनाने का दृष्टिकोण। यह हमें सिखाता है कि धन का मूल्य उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके प्रयोग में है। अगर हम धन को साधन बनाएँ, साध्य नहीं, तो वह जीवन में सौंदर्य और संतोष दोनों लाता है। लेकिन अगर वही धन हमें दूसरों से श्रेष्ठ दिखने की दौड़ में ले जाए, तो वह वरदान नहीं, अभिशाप बन जाता है।

आज के समय में शायद सबसे बड़ा 'धन' यह है कि हम अपनी मानसिक शांति को बचा पाएँ। परिवार के साथ बैठकर मुस्कुरा सकें, कुछ समय अपनों को दे सकें, बुजुर्गों के चरण छूकर आशीर्वाद ले सकें—यह भी धनतेरस का ही भाव है। क्योंकि जो घर प्रेम और सम्मान से भरा हो, वहाँ लक्ष्मी अपने आप आ जाती हैं।

त्योहारों की असली चमक सोने या चांदी की नहीं होती, वह मन की निर्मलता में होती है। दीपों की रोशनी बाहर तभी फैलेगी जब भीतर के दीप प्रज्वलित हों। इसलिए इस धनतेरस पर अगर आप कुछ खरीदना ही चाहें, तो अपने लिए संयम, करुणा और संतोष खरीदिए। यह वे अमूल्य वस्तुएं हैं जो कभी पुरानी नहीं पड़तीं, कभी चोरी नहीं होतीं, और जीवनभर समृद्धि देती हैं।

धनतेरस का यह पर्व हमें हर वर्ष यह याद दिलाता है कि समृद्धि केवल धनवान बनने में नहीं, बल्कि मनवान बनने में है। जब हम अपने कर्मों से दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, जब हम अपनी कमाई से किसी का अंधकार मिटाते हैं—तभी सच्चे अर्थों में 'धनतेरस' होती है। इसलिए दीप जलाइए, पर साथ ही किसी और के जीवन में भी उम्मीद का दीप जलाइए। यही इस पर्व का सबसे सुंदर संदेश है।

इस्राइल-हमास युद्धविरामः आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरु हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरु होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की कूटनीति की जीत से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

धनतेरस, पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

धनतेरस हर साल कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है.इसे धन्वंतरि जयंती के नाम भी जाना जाता है.मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान धनतेरस के दिन ही भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे.ऐसा कहा जाता है कि भगवान धन्वंतरि की पूजा से अरोग्यता की प्राप्ति होती है.इस दिन वस्तुओं की खरीदारी को शुभ माना जाता है. धनतेरस के दिन लोग सोना-चांदी की खरीदारी करते हैं, माना जाता है कि इस दिन नए उपहार, सिक्का, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ रहता है.ताकि उनके घर में सुख और समृद्धि बनी रहे.लेकिन धनतेरह के दिन कुछ चीजें खरीदना अशुभ माना जाता है.जैसे, धनतेरस पर लोहे से बनी चीजें नहीं खरीदनी चाहिए. कांच का सामान, धनतेरस के दिन काले रंग की चीजें आदि को घर पर नहीं लाना चाहिए.

धनतेरस पूजा विधि

धनतेरस के दिन सबसे पहले विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा करें, उसके बाद देवी लक्ष्मी और कुबेर की पूजा करें, पूजा शुरू करने से पहले नए कपड़े के टुकड़े के बीच में मुट्ठी भर अनाज रखा जाता है.कपड़े को किसी चौकी या पाटे पर बिछाना चाहिए.कलश पानी से भरें, उसमें गंगाजल मिला लें.इसके साथ ही सुपारी, फूल, एक सिक्का और कुछ चावल के दाने और अनाज भी इस पर रखें.कुछ लोग कलश में आम के पत्ते भी रखते हैं.पूजा में फूल, फल, चावल, रोली-चंदन, धूप-दीप का उपयोग करना चाहिए.इस दिन पूजा में भोग लगाने के लिये नैवेद्य के रूप में सफेद मिठाई का प्रयोग किया जाता है.माना जाता है कि माता लक्ष्मी और कुबेर की पूजा करने से घर में सुख समृद्धि बनी रहती है.

धनतेरस के दिन खरीदारी का शुभ मुहूर्त

सुबह 5:59 से 10:06 बजे तक
सुबह 11:08 से दोपहर 12:51 बजे तक
दोपहर 3:38 मिनट से शाम 5:00 बजे तक

धनतेरस के दिन क्यों खरीदे जाते हैं चांदी-पीतल के बर्तन

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानि धनतेरस के दिन सोने-चांदी के आभूषण के साथ ही पीतल-स्टील के बर्तन भी खरीदे जाते हैं। अधिकतर सभी लोग इस दिन खरीदारी करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं इस दिन पीतल-स्टील के बर्तनों की खरीदारी क्यों की जाती है। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में .

पीतल के बर्तन

भगवान धनवंतरी अपनी दो भुजाओं में औषधि के साथ अमृत कलश लिए हुए हैं। मान्यता के अनुसार यह अमृत कलश पीतल का बना हुआ है क्योंकि पीतल भगवान धनवंतरी की प्रिय धातु है। इसलिए दिवाली के पूर्व धनतेरस के दिन लोग अपने घरों में नए पीतल के बर्तन खरीदकर लाते हैं।

चांदी के बर्तन भी होते हैं शुभ

इस दिन सोने, चांदी की वस्तु या आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है, मान्यता के अनुसार चांदी चन्द्रमा की प्रतीक है, जो शीतलता प्रदान करती है, इस दिन सोने-चांदी की खरीदी गई कोई भी वस्तु शुभ फल प्रदान करती है और लंबे समय तक चलती है। चांदी का संबंध ज्योतिष से है। यह चंद्रमा तथा मन से जुड़ी है। माना जाता है कि धनतेरस के दिन चांदी के बर्तन खरीदने से घर में समृद्धि और सफलता आती है।

स्टील के बर्तन भी खरीदा जाना शुभ

मान्यता के अनुसार स्टील के बर्तन भी चांदी की तरह स्वच्छ और शुद्ध होते हैं। जिसे खाने को परोसकर खाया जा सकता है। जो लोग इस दिन चांदी के बर्तन नहीं खरीद सकते वे स्टील के बर्तन खरीद सकते हैं।

धनतेरस इस बार होगा और भी खास, बन रहे दो शुभ संयोग

कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है.इस दिन को धन त्रयोदशी या धनवंतरि जयंती भी कहा जाता है.इस दिन कुछ नया खरीदने की परंपरा है.

खासतौर पर इस दिन पीतल या चांदी के बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है.मान्यता है कि इस दिन खरीदी जाने वाली चीजें धन समृद्धि को बढ़ाती हैं.

धनतेरस पर खास संयोग

इस बार धनतेरस का त्योहार बहुत खास है क्योंकि इस दिन कई ऐसे योग बन रहे हैं जो इस दिन की महत्ता को और बढ़ाने वाले हैं.इस बार आप धनतेरस के दिन जो भी खरीदारी करेंगे, उसका महत्व दोगुना हो जाएगा.आइए जानते हैं इन खास संयोगों के बारे में.

धनतेरस पर मां लक्ष्मी की कृपा

इस बार धनतेरस 13 नवंबर के दिन मनाया जाएगा.शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी का दिन माना जाता है.इस दिन खरीदारी करना बहुत शुभ होगा और लोगों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहेगी.इसके अलावा इस बार धनतेरस के दिन हनुमान जयंती भी पड़ने के कारण इस दिन का महत्व और बढ़ गया है.

धनतेरस की शाम 13 दीपक घर के अंदर और 13 दीपक घर के बाहर लगाएं

धनतेरस के दिन कुछ आसान से उपाय कर आप अपनी जिंदगी में आ रही धन संबंधी परेशानी को हमेशा के लिए दूर कर सकते हैं। इस दिन जो भी शुभ कर्म किया जाता है, उसका 13 गुना फल मिलता है। जानते हैं कि आपको क्या करना है।

सबसे पहले सायंकाल के बाद 13 दीपक प्रज्वलित कर तिजोरी में कुबेर का पूजन करें। यह कहें कि- श्रेष्ठ विमान पर विराजमान, गरुड़मणि के समान आभावाले, दोनों हाथों में गदा एवं वर धारण करने वाले, सिर पर श्रेष्ठ मुकुट से अलंकृत तुंदिल शरीर वाले, भगवान शिव के प्रिय मित्र निधिश्वर कुबेर का मैं ध्यान करता हूं। इसके पश्चात निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें और यह मंत्र बोलें -

'यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।'

इसके पश्चात कपूर से आरती उतारकर मंत्र पुष्पांजलि अर्पित करें। इससे आपकी धन संबंधी परेशानी दूर होगी। जानें और कौन से उपाय आप कर सकते हैं.धनतेरस पर शाम ढलने के बाद 13 दीपक जलाएं। उसके पास 13 कौड़ियां रखें। फिर आधी रात के बाद ये कौड़ियां घर के किसी कोने में गाड़ दें। इससे अचानक आपको बहुत धन लाभ होगा। इस दिन 13 दीपक घर के अंदर और 13 घर के बाहर रखें। इससे दरिद्रता, अधंकार और घर की नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है। धनतेरस के दिन अपने परिवार के सदस्यों के लिए सामान या उपहार खरीदें। बाहरी लोगों के लिए कोई उपहार नहीं खरीदें। यदि आपके पास धन नहीं टिकता है, तो इस धनतेरस से दीपावली के दिन तक आप मां लक्ष्मी को पूजा के दौरान एक जोड़ा लौंग चढ़ाएं। धनतेरस के दिन यदि आप चीनी, बताशा, खीर, चावल, सफेद कपड़ा आदि अन्य सफेद वस्तुएं दान करते हैं, तो आपको धन की कमी नहीं होगी। जमा पूंजी बढ़ने के साथ ही कार्यों में आ रहीं बाधाएं भी दूर होंगी। इस दिन किसी किन्नर को अवश्य दान दें और उससे एक सिक्का मांग लें। यदि किन्नर आपको वो सिक्का खुशी से दे, तो बहुत अच्छा रहता है। नहीं, तो आप उससे मांग भी सकते हैं। इस सिक्के को अपनी तिजोरी या पर्स में रखने से कभी धन की कमी नहीं होती है। इस दिन यदि आपके दरवाजे पर कोई भिखारी, जमादार या गरीब व्यक्ति आए, तो उसे खाली हाथ न भेजें। आप कुछ न कुछ उसे जरूर दें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आपको समृद्धि का आशीष देती हैं। इससे आपको हर कार्य में अपार सफलता भी मिलेगी। यदि आपको किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करनी हो, तो इस धनतेरस आप उस पेड़ की टहनी तोड़ कर घर लाएं, जिस पर चमगादड़ बैठता हो। इस टहनी को ड्राइंग रुम में रखने से धन की प्राप्ति के साथ ही समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ती है।

इस दिन आप किसी मंदिर में जाकर केले का पौधा या कोई सुगंधित पौधा लगाएं। जैसे-जैसे ये हरे भरे और बड़े होंगे, आपको जीवन में भी सफलताएं बढ़ेंगी। धनतेरस के दिन किसी की बुराई न करें। इस दिन किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करें। इससे घर में शांति और सकारात्मकता नहीं रहती है। धनतेरस की पूजा से पहले एवं बाद में दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर घर में चारों तरफ थोड़ा-थोड़ा छिड़कें। इससे घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। इसके अलावा यह जल पूजा में शामिल लोगों पर भी छिड़कें। इससे मन पवित्र होता है।

कौन हैं कुबेर

कुबेर के संबंध में लोकमानस में एक जनश्रुति प्रचलित है। कहा जाता है कि पूर्वजन्म में कुबेर चोर थे-चोर भी ऐसे कि देव मंदिरों में चोरी करने से भी बाज न आते थे। एक बार चोरी करने के लिए एक शिव मंदिर में घुसे। तब मंदिरों में बहुत माल-खजाना रहता था। उसे ढूंढने-पाने के लिए कुबेर ने दीपक जलाया लेकिन हवा के झोंके से दीपक बुझ गया। कुबेर ने फिर दीपक जलाया, फिर वह बुझ गया। जब यह क्रम कई बार चला, तो भोले-भाले और औघड़दानी शंकर ने इसे अपनी दीपाराधना समझ लिया और प्रसन्न होकर अगले जन्म में कुबेर को धनपति होने का आशीष दे डाला।

कुरूपता के लिए प्रसिद्ध कुबेर

कुबेर के संबंध में प्रचलित है कि उनके तीन पैर और आठ दांत हैं। अपनी कुरूपता के लिए वे अति प्रसिद्ध हैं। उनकी जो मूर्तियां पाई जाती हैं, वे भी अधिकतर स्थूल और बेडौल हैं 'शतपथ ब्राह्मण' में तो इन्हें राक्षस ही कहा गया है। इन सभी बातों से स्पष्ट है कि धनपति होने पर भी कुबेर का व्यक्तित्व और चरित्र आकर्षक नहीं था। कुबेर रावण के ही कुल-गौत्र के कहे गए हैं।

कुबेर का दूसरा नाम यक्ष

कुबेर को राक्षस के अतिरिक्त यक्ष भी कहा गया है। यक्ष धन का रक्षक ही होता है, उसे भोगता नहीं। कुबेर का जो दिक्पाल रूप है, वह भी उनके रक्षक और प्रहरी रूप को ही स्पष्ट करता है। पुराने मंदिरों के वाह्य भागों में कुबेर की मूर्तियां पाए जाने का रहस्य भी यही है कि वे मंदिरों के धन के रक्षक के रूप में कल्पित और स्वीकृत हैं। कौटिल्य ने भी खजानों में रक्षक के रूप में कुबेर की मूर्तियां रखने के बारे में लिखा है। शुरू के अनार्य देवता कुबेर, बाद में आर्य देव भी मान लिए गए। बाद में पुजारी और ब्राह्मण भी कुबेर के प्रभाव में आ गए और आर्य देवों की भांति उनकी पूजा का विधान प्रचलित हो गया। तब विवाहादि मांगलिक अनुष्ठानों में कुबेर के आह्वान का विधान हुआ लेकिन यह सब होने पर भी वे द्वितीय कोटि के देवता ही माने जाते रहे। धन को सुचिता के साथ जोड़कर देखने की जो आर्यपरंपरा रही, संभवतः उसमें कुबेर का अनगढ़ व्यक्तित्व नहीं खपा होगा। बाद में शास्त्रकारों पर कुबेर का यह प्रभाव बिल्कुल नहीं रहा इसलिए वे देवताओं के धनपति होकर भी दूसरे स्थान पर ही रहे, लक्ष्मी के समकक्ष न ठहर सके। और लक्ष्मी पूजन की परंपरा ही कायम रही। लक्ष्मी के धन के साथ मंगल का भाव भी जुड़ा हुआ है। कुबेर के धन के साथ लोकमंगल का भाव प्रत्यक्ष नहीं है। लक्ष्मी का धन स्थायी नहीं, गतिशील है। इसलिए उसका चंचला नाम लोकविश्रुत है जबकि कुबेर का धन खजाने के रूप में जड़ या स्थिरमति है।

धनतेरस पर चांदी का कड़ा खरीदें

धनतेरस के दिन यह उपाय कर मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर देव की पूर्ण कृपा प्राप्त की जा सकती है। इस दिन किसी की आलोचना, झगड़े व वाद - विवाद की बात बिलकुल भी न करें। अगर संभव हो तो पुरानी रंजिश या मन मुटाव को भुलाकर शत्रु को भी मित्र बनाने कि पहल करें इससे देवता प्रसन्न होते हैं और घर-परिवार में शुभता आती है। धनतेरस के दिन अपने दाएं हाथ के लिए एक चांदी का कड़ा बनवाएं या खरीदें, इस कड़े को धनतेरस से लेकर दिवाली वाले दिन तक मां लक्ष्मी के चरणों से लगा कर वहीं पूजा में रख दें और उस पर तिलक लगा दें। दिवाली के अगले दिन सुबह स्नान करने के बाद मां लक्ष्मी का ध्यान-पूजन करने के बाद उसे दाहिने हाथ में धारण कर लें। यह कड़ा अब आपका रक्षा कवच है। इसे पहनने से आत्मविश्वास तो आएगा ही साथ ही धन आगमन के रास्ते खुलने लगेंगे। हर काम में सफलता मिलने लगेगी।

धनतेरस पर सिर्फ एक उपाय देगा आपको मनचाहा धन

बस तीन बार पढ़ें धन्वंतरि स्तोत्र

धन तेरस पर धन प्राप्ति के अनेक उपाय बताए जाते हैं लेकिन सभी उपायों से बढ़कर है धन और आरोग्य के देवता धन्वंतरि का पावन स्तोत्र। प्रस्तुत है धन्वंतरि स्तोत्र

ऊँ शंखं चक्रं जलौकां दधदमृतघटं चारुदोर्भिश्चतुर्भिः।
सूक्ष्मस्वच्छातिहृद्यांशुक परिविलसन्मौलिमंभोजनेत्रम।।
कालाम्भोदोज्ज्वलांगं कटितटविलसच्चारूपीतांबराढ्यम।
वन्दे धन्वंतरिं तं निखिलगदवनप्रौढदावाग्निलीलम।।
ऊँ नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतराये:।
अमृतकलश हस्ताय सर्व भयविनाशाय सर्व रोगनिवारणाय।।
त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णुस्वरूप।
श्री धन्वंतरि स्वरूप श्री श्री श्री औषधचक्र नारायणाय नमः ।।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक पलटने से एक ही परिवार के 15 सदस्यों की मौत, 8 लोग घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सुरंग के पास बृहस्पतिवार को एक ट्रक के पलट जाने से एक ही परिवार के कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेस्क्यू 1122 आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता ने बताया कि यह दुर्घटना मलाकंद जिले के स्वात मोटरवे पर हुई। सभी पीड़ित स्वात के बहरीन तहसील के जिब्राल क्षेत्र के एक खानाबदोश परिवार से थे, जो अक्सर मौसमी तौर पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते थे। हादसे की सूचना मिलने पर बचाव सेवाएं और पुलिस दुर्घटना स्थल पर पहुंची और घायलों तथा मृतकों के पार्थिव शरीर को जिला मुख्यालय अस्पताल बटखेला पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने 15 लोगों की मौत की पुष्टि की जबकि आठ घायलों को आपातकालीन चिकित्सा प्रदान की गई। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बाद में विशेष देखभाल के लिए स्वात ले जाया गया। बचाव सूत्रों के अनुसार, मृतकों और घायलों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

तेल के जहाज में भीषण विस्फोट, 10 की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बाटम द्वीप पर एक शिपयार्ड में कच्चे पाम तेल के जहाज में आग लगने के बाद भीषण विस्फोट गया। धमाके की चपेट में 10 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से चार की हालत गंभीर है। एक अधिकारी ने बताया कि तंजुंगुनकांग बंदरगाह स्थित शिपयार्ड में बुधवार को जहाज की मरम्मत चल रही थी.. तभी उसके टैंक में धमाका हो गया और वहां काम कर रहे कर्मी उसकी चपेट में आ गए।

मसालों से बनी रंगोली ने दुबई में बढ़ाई दीपावली उत्सव की रौनक

दुबई , एजेंसी। संस्कृति और सामुदायिक भावना का जीवंत संगम पेश करते हुए दीपावली पर दुबई के एक बाजार में मसालों से ऐसी रंगोली बनाई गई जिसे खाड़ी देश में 'सबसे बड़ी' रंगोली बताया जा रहा है। मसालों की रंगोली आठ से 26 अक्तूबर तक वाटरफ्रंट मार्केट में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जा रही है। 6 मीटर लंबाई व 6 मीटर चौड़ाई वाली इस विशाल रंगोली को दालचीनी, हल्दी, मिर्च, धनिया और लौंग समेत 60 किलो से अधिक विभिन्न मसालों से तैयार किया गया है। ये सभी मसाले वाटरफ्रंट मार्केट से ही लाए गए थे। इस अनूठी कलाकृति ने बाजार के प्रांगण को चटकीले रंगों और सुगंध से भर दिया। इसका 'दुबई फेस्टिवल्स एंड रिटेल एस्टेब्लिशमेंट' द्वारा शहर भर में आयोजित दिवाली कार्यक्रमों के तहत आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया।

पेरिस समझौते का भारत को बड़ा फायदा

पेरिस, एजेंसी। पेरिस समझौता जलवायु परिवर्तन पर एक कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसको 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। पेरिस समझौते का भारत एक प्रमुख हस्ताक्षरकर्ता है। ऐसे में एक अध्ययन से पता चला है कि पेरिस समझौता भारत को हर साल 30 कम गर्म दिन देखने में मदद कर सकता है। गुरुवार (16 अक्तूबर) को प्रकाशित एक नए अध्ययन के अनुसार अगर भारत 2015 के पेरिस समझौते के तहत उत्सर्जन में कटौती के अपने वादों को पूरा करता है और इस सदी में वैश्विक तापमान वृद्धि को 2.6 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखता है, तो भारत हर साल 30 कम अत्यधिक गर्म दिन देख सकता है, जबकि दुनिया औसतन 57 ऐसे दिनों से बच सकती है।

बिल में घुसा मसूद अजहर, संगठन छोड़कर भाग रहे आतंकी; पाकिस्तान की खस्ताहाल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में सरकार और सेना की शह पर इतराने वाला जैश-ए-मोहम्मद का खूंखार आतंकी मसूद अजहर ऑपरेशन सिंदूर में अपना पूरा परिवार खोने के बाद अब भूमिगत हो गया है। उसे सामने नहीं आने की सलाह दी गई है।

चूंकि भारतीय सशस्त्र बल उस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और पाकिस्तानी सेना कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहती, इसलिए उन्होंने उसे अपनी निगरानी में रखा है। अजहर ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है और उसकी इस खामोशी ने जैश के गुर्गों को बेचैन कर दिया है। उनका मनोबल गिर रहा है और मायूस होकर वे अब इस संगठन को छोड़कर भागने लगे हैं क्योंकि उन्हें कोई नेतृत्व नहीं दिख रहा है। संगठन में उन्हें बनाए रखने के लिए एआई संचालित वीडियो के माध्यम से फैलाया जा रहा प्रोपेगेंडा भी बेअसर हो रहा है। आतंकियों का संगठन पर से उठने लगा है भरोसा पहले, जब अजहर छिप जाता था या इलाज करा रहा होता था तो उसका भाई रऊफ असगर ही जैश के सारे फैसले लेता था। वह संगठन की हर चीज का प्रभारी था और वह अपने भाई अजहर का आदर्श सहयोगी था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर में असगर मारा गया। यह जैश के लिए

एक बड़ा झटका था क्योंकि उसने अपना आपरेशन प्रमुख खो दिया। दूसरी ओर, अजहर संगठन के वैचारिक प्रमुख की भूमिका में रहा है और अब, दोनों की अनुपस्थिति में आतंकियों का संगठन पर से भरोसा उठने लगा है।

प्रोपेगेंडा वीडियो का प्रसार बढ़ाने में जुटा है जैश: खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों ने कहा कि जैश को फिर से संगठित होने में समय लगेगा। उसे पता है कि भारत के साथ किसी भी दुस्साहस का उसे उचित जवाब दिया जाएगा। वह अपने गुर्गों का मनोबल बढ़ाने के लिए कोई भी जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। इसलिए संगठन महिला शाखा समेत कई नई शाखाएं खोलने और अन्य गतिविधियां शुरू करने के बारे में प्रोपेगेंडा फैलाता रहता है। यह केवल आतंकियों का मनोबल ऊंचा रखने के लिए है ताकि उन्हें लगे कि कुछ गतिविधि हो रही है। भारतीय एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जैश कोई दुस्साहस तो नहीं करेगा, लेकिन वह प्रोपेगेंडा वीडियो का प्रसार बढ़ाने में शिद्दत से जुटा हुआ है। दुष्प्रचार के जरिए मनोबल ऊंचा रखने की कोशिश एजेंसियों को पता चला है कि ये वीडियो न केवल पाकिस्तान में, बल्कि भारत के कुछ हिस्सों में भी बड़ी संख्या में प्रसारित हो रहे हैं। संगठन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके अजहर की तस्वीरें और वीडियो बना रहा है।

आतंकियों को क्या विश्वास दिलाया जा रहा?

आतंकियों को यह विश्वास दिलाया जा रहा है कि उनके सरगना के साथ सब ठीक है, इसलिए उन्हें हमेशा अपना मनोबल ऊंचा रखना चाहिए। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह का दुष्प्रचार काम तो कर सकता है, लेकिन यह अस्थायी ही होता है। तालिबान से संबंध बिगड़ने से नाखुश कई आतंकी जैश के आतंकी जम्मू-कश्मीर में हमले करना चाहते हैं। लेकिन, अगर उन्हें लंबे समय तक ऐसा करने से रोक दिया गया, उनके मंसूबों को नाकाम कर दिया गया तो वे हैरत में पड़ सकते हैं और तब आइएसआइ के लिए इन्हें नियंत्रित करना बहुत मुश्किल होगा। समस्या यह है कि जैश के कई आतंकी तालिबान के साथ संबंधों के बिगड़ने से नाखुश हैं।

पाकिस्तान में बदली स्थिति

यह संगठन तालिबान का समर्थक रहा है, लेकिन आज उसे चुप रहना पड़ रहा है क्योंकि पाकिस्तान में सत्ता प्रतिष्ठान अफगान तालिबान विरोधी है। जैश नेतृत्व हमेशा से यह मानता रहा है कि सभी कट्टरपंथी इस्लामी समूहों को एकजुट होना चाहिए और उनकी लड़ाई भारत और पश्चिम के खिलाफ होनी चाहिए। बहरहाल, कमजोर नेतृत्व के कारण पाकिस्तान में स्थिति पूरी तरह बदल गई है। आज, सत्ता प्रतिष्ठान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और अफगान तालिबान के साथ संघर्ष कर रहा है।

क्यों स्मोकिंग नहीं छोड़ पा रहीं इटली की पीएम मेलोनी? खुद दे दिया मजेदार जवाब

रोम , एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने मिस्र में आयोजित गाजा शिखर सम्मेलन के दौरान एक मजेदार टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सिगरेट छोड़नी पड़ी तो शायद वे किसी की जान ले लें। यह बयान तब आया जब तुर्किए के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने उनकी स्मोकिंग की आदत पर चुटकी ली। इस हल्के-फुल्के पल ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को भी हंसने पर मजबूर कर दिया। मेलोनी ने हाल ही में एक किताब में खुलासा किया कि उन्होंने 13 साल पहले सिगरेट छोड़ दी थी, लेकिन अब फिर से धूम्रपान शुरू कर दिया है। उन्होंने मजाक में कहा कि इस आदत ने उन्हें ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद जैसे कई वैश्विक नेताओं के साथ रिश्ते बनाने में मदद की है।

शिखर सम्मेलन में तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोगन ने मेलोनी को उनकी सिगरेट की आदत छोड़ने की सलाह दी थी। उन्होंने तारीफ करते हुए कहा कि मेलोनी काफी सुंदर हैं लेकिन उन्हें स्मोकिंग बंद करना चाहिए। इस पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने हंसते हुए कहा कि मेलोनी को सिगरेट छोड़ने के लिए मजबूर करना असंभव है। मेलोनी ने जवाब में हल्के अंदाज में कहा, मैं किसी की जान नहीं लेना चाहती। शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मेलोनी की जमकर तारीफ की। इजरायल की संसद में भाषण देने के बाद पहुंचे ट्रंप ने कहा कि आजकल किसी महिला को सुंदर कहना राजनीतिक रूप से जोखिम भरा है, लेकिन उन्होंने फिर भी मेलोनी को सुंदर और अद्भुत बताया। उन्होंने मजाक में कहा, मुझे लगता है कि तुम्हें सुंदर कहलाना पसंद है, है ना?

हमलों के पीछे भारत का हाथ, अफगानिस्तान की सेना से पिटने पर पाक रक्षा मंत्री ने रोया दुखड़ा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भारत तालिबान के जरिए पाकिस्तान को टारगेट कर रहा है। जियो न्यूज को दिए एक टीवी इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, इस वक्त काबुल दिल्ली के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है। उन्होंने हाल ही में घोषित 48 घंटे के अस्थायी सीजफायर पर भी संदेह जताया और चेतावनी दी कि अगर उकसावा हुआ तो पाकिस्तान सैन्य जवाब देने को तैयार है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को घोषणा की कि दोनों पक्षों की सहमति से अगले 48 घंटों के लिए अस्थायी युद्धविराम लागू किया गया है। यह फैसला सीमा पर हाल के दिनों में हुई तीव्र गोलीबारी के बाद लिया गया। युद्धविराम बुधवार को 1 बजे से प्रभावी हुआ। ख्वाजा आसिफ ने युद्धविराम के टिकने पर संदेह जताते हुए कहा, मुझे शक है कि यह युद्धविराम कायम रहेगा, क्योंकि तालिबान को दिल्ली प्रायोजित कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान ने तनाव बढ़ाया या युद्ध का दायरा बड़ा किया, तो पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने रचनात्मक बातचीत की संभावना को भी खुला रखा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया हिंसा में वृद्धि देखी गई है। इसमें कथित तौर पर पाकिस्तानी हवाई हमलों ने कंधार और काबुल को निशाना बनाया। बता दें कि दोनों पक्षों ने युद्धविराम की पहल का श्रेय लेने का दावा की बात भी कही है।

दुनिया भर में भीषण आग का खतरा बढ़ा !

छोटे-गरीब देशों पर पड़ेगा ज्यादा असर

लंदन, एजेंसी। दुनिया जलवायु परिवर्तन के लगातार बढ़ते प्रभावों का सामना कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण जंगल की आग, बुशफायर और अत्यधिक गर्मी जैसी प्राकृतिक आपदाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अमेज़न और कांगो के वनों से लेकर ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के शहरों तक, जलवायु संकट के दावे सबके सामने हैं। मेलबर्न विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोध अध्येता हैमिश क्लार्क के अनुसार, पिछले वर्ष दुनिया भर में लगभग 37 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जंगल की आग से प्रभावित हुआ। इसके कारण 10 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए और 215 अरब अमेरिकी डॉलर के घर और बुनियादी ढांचा खतरे में पड़े।

ऑस्ट्रेलिया में बुशफ़ायर ने पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में लाखों हेक्टेयर भूमि को जला दिया, जबकि अमेरिका के लॉस एंजिलिस में असामान्य रूप से नम मौसम और गर्म जनवरी ने आग की तीव्रता को बढ़ाया। दक्षिण अमेरिका के पैंटानल-चिकिटानो क्षेत्र में आग का प्रभाव 35 गुना अधिक रहा। जलवायु वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि जारी रही, तो आग और गर्मी की घटनाएं और भी अधिक भीषण होंगी। उन्होंने आग से निपटने के लिए स्थानीय और क्षेत्रीय ज्ञान, प्रभावी वन प्रबंधन, घरों की तैयारी और आपदा प्रबंधन को बताया। अमेरिका स्थित 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' और 'क्लाइमेट सेंट्रल' के अध्ययन के अनुसार, सदी के अंत तक दुनिया को हर साल लगभग 57 अतिरिक्त अत्यधिक गर्म दिनों का सामना करना पड़ेगा। इसका सबसे अधिक असर छोटे और गरीब देशों पर होगा, जबकि अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े उत्सर्जक देशों को अपेक्षाकृत कम असर झेलना पड़ेगा। उदाहरण के लिए, पनामा को 149 अतिरिक्त गर्म दिन झेलने पड़ सकते हैं, जबकि अमेरिका और चीन को केवल 23-30 अतिरिक्त दिन ही झेलने होंगे। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी कि यह असमानता जलवायु न्याय की गंभीरता को दिखाती है। जिन देशों ने कम प्रदूषण फैलाया है, वे सबसे ज्यादा जलवायु संकट का सामना करेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी भी देर नहीं हुई है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती, भूमि कटाई को रोकना और प्रकृति की रक्षा करना जरूरी है। आने वाले महीने में ब्राज़ील के बेलेम में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु सम्मेलन (सीओपी30) में विश्व नेता, वैज्ञानिक और नागरिक समाज जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

हर साल बढ़ेंगे 57 अत्यधिक गर्म दिन

इजरायल का गुस्सा आसमान पर !

धोखेबाज है हमास, अब धरती से मिटा देंगे नामोनिशान

येरूसलम , एजेंसी। इजरायल में गाजा की ओर जारी गतिरोध और बंधकों के मुद्दे ने एक बार फिर तेज मोड़ ले लिया है। सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने स्पष्ट कहा है कि जब तक सभी बंधकों को वापस नहीं लाया जाता, सेना को चैन नहीं लगेगा। उनके गुस्से की वजह हमास द्वारा हाल ही में की गई वह हरकत है जिसमें उसने इजरायली बंधक के शव की जगह गलती (या धोखा) करके एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का शव सौंप दिया। जमीर ने कहा कि बंधकों की वापसी इजरायली सेना का नैतिक, राष्ट्रीय और यहूदी कर्तव्य है।

उन्होंने बताया कि राजनीतिक नेतृत्व के साथ मिलकर सेना सभी समझौतों को लागू करने पर अडिग रहेगी, लेकिन

कहा-बेइज्जती की हद पार...

तब तक आराम नहीं किया जाएगा जब तक हर एक बंधक वापस न आ जाए।हमास ने अब तक कम-से-कम 21 मृत बंधकों के शव अपने कब्जे में रखे हुए हैं; पिछले दो दिनों में उसने केवल सात शव लौटा दिए। सोमवार को उसने 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया था पर मृत बंधकों के मामले में निकासी की प्रक्रिया और पहचान विवादों में घिरती जा रही है। बुधवार को हमास द्वारा सौंपे गए चार शवों में से इजरायल के कई मीडिया और अधिकारियों का दावा है कि एक शव किसी इजरायली बंधक का नहीं बल्कि गाजा का एक फिलिस्तीनी नागरिक निकला। हिब्रू मीडिया के हवाले से एक अधिकारी ने खुलासा किया कि बरामद शवों की पहचान की जा रही है और प्रारंभिक जांच में पाया गया कि एक शव असत्यापित है। इजरायल में इससे पहले भी ऐसी घटनाएँ दर्ज हुई हैं इस साल के आरंभ में भी हमास ने एक शव सौंपने का दावा किया था जिसे बाद में इजरायली जांच में फिलिस्तीनी मनुष्य का निकला और असली अवशेष बाद में ही सौंपे गए थे।

मंत्री इतमार बेन ग्वीर का कड़ा बयान: हमास की इस हरकत पर इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी नेता इतमार बेन ग्वीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखाः बेइज्जती की हद हो गई। ट्रकों को रास्ता खोलने के कुछ ही पलों बाद, हमास वापस अपनी पुरानी चाल झूठ, धोखा और शवों के साथ छल पर आ गया। नाजी आतंकवाद सिर्फ़ हथियारों की भाषा समझता है। इससे निपटने का एकमात्र तरीका है इसे धरती से मिटा देना। उनका यह अनुमानित आक्रमक वक्तव्य देश में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना/चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इससे संघर्ष और हिंसा की भाषा प्रबल होने का डर भी व्यक्त किया जा रहा है। गलत शव सौंपे जाने की बात वार्ता पर भरोसा कम कर सकती है और युद्धविराम की शर्तों पर दोबारा भरोसा बहाल करना मुश्किल बना सकती है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी: भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं 1.4 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसके प्रमुख दानदाताओं द्वारा वित्त पोषण में की गई कटौती से छह देशों में उसकी गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। उसने चेताया कि इससे करीब 1.4 करोड़ लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष उसका वित्त पोषण अब तक की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है।

डब्ल्यूएफपी ने कहा, इस चुनौती का मुख्य कारण अमेरिका (डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत) तथा अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा अनुदान में की गई भारी कटौती है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि उसकी खाद्य सहायता प्राप्त करने वाले 1.37 करोड़ लोगों को अब आपात स्तर की भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। जिन देशों में मुख्य व्यवधान देखने को मिल रहे हैं, वे अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान हैं। डब्ल्यूएफपी ने बताया कि इस साल उसे 40 कम वित्त पोषण मिलने के आसार हैं। इस तरह उसका अनुमानित बजट 10 अरब डॉलर से घटकर 6.4 अरब डॉलर रह जाएगा। एजेंसी की अधिकारी सिंडी मैक्केन ने कहा, यह सिर्फ धन की कमी नहीं, इससे अब तक हुई प्रगति खोने का खतरा है।

सैमसंग गैलेक्सी M 17 5G की भारत में बिक्री शुरू, सेगमेंट में पहली बार ओआईएस कैमरा और बेहतर ड्यूरैबिलिटी का आनंद उठाएं

गुरुग्राम: सैमसंग ने आज घोषणा की है कि भारत के उपभोक्ता आज से हाल ही में लॉन्च किए गए गैलेक्सी M17 5G को खरीद सकते हैं। गैलेक्सी M17 5G अमेज़न, Samsung.com और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स के माध्यम से उपलब्ध होगा, जहां 4/128 जीबी वैरिएंट की कीमत 12,499 रुपये से शुरू है। 6/128 जीबी वैरिएंट 13,999 रुपये और 8/128 जीबी वैरिएंट 15,499 रुपये में उपलब्ध होंगे। उपभोक्ता प्रमुख बैंकों/एनबीएफसी पार्टनर्स के माध्यम से आसान ईएमआई ऑफर का लाभ भी उठा सकते हैं, उन्हें 3 महीने तक नो कॉस्ट ईएमआई का फायदा मिलेगा। गैलेक्सी M17 5G, सैमसंग के भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स में से एक गैलेक्सी M16 5G की सफलता पर आधारित है, और सैमसंग की उस विरासत को आगे बढ़ाता है जो आधुनिक एआई इनोवेशन्स को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाती है। यह 10,000 - 15,000 रुपये के सेगमेंट में नो शेक कैमरा के साथ आता है, जिसमें 50एमपी ओआईएस ट्रिपल-कैमरा सिस्टम है जो ब्लर-फ्री फोटो और शेक-फ्री वीडियो कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बहुपयोगी ट्रिपल-लेंस सेटअप - जिसमें अल्ट्रा-वाइड कैमरा और मैक्रो कैमरा शामिल है - हर सीन के लिए लचीली फ्रेमिंग प्रदान करता है। गैलेक्सी M17 5G में सेगमेंट-लीडिंग 13 एमपी हाई रेजोल्यूशन फ्रंट कैमरा है जिससे आप बेहतरीन सेल्फी ले सकते हैं। गैलेक्सी M17 5G केवल 7.5 mm पतला है और इसमें प्रीमियम कैमरा डेको की खूबी है। इसका सेगमेंट में अग्रणी कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस बेहतर ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। यह सुरक्षा गलती से मोबाइल गिरने और खरोंचों से बचाव करती है, जिससे यूजर को पूरी शांति मिलती है। डिवाइस में धूल और स्पलैश रेजिस्टेंस के लिए आईपी54 रेटिंग भी है। गैलेक्सी M17 5G आकर्षक रंगों - मूनलाइट सिल्वर और सफायर ब्लैक - में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी M17 5G में गूगल के साथ सर्कल टू सर्च फीचर पेश किया गया है, जो गैलेक्सी इकोसिस्टम में मोबाइल एआई के लोकतंत्रीकरण को और आगे बढ़ाता है। इसके अलावा, इसमें जेमिनी लाइव है, जो एआई- संचालित रीयल-टाइम विजुअल बातचीत के माध्यम से नया एआई अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी M17 5G वन यूआई 7 के साथ एंड्रॉइड 15 पर चलता है, जो सहज, बेहतरीन और कस्टमाइजेबल यूजर एक्सपीरियंस देता है।

बिल्कुल नई Škoda Octavia RS: पावर, स्टाइल और लिगेसी का नया रूप

Škoda Auto India देश में अपनी 25वीं वर्षगाँठ का जश्न मना रही है, और यह एक सच्चे लीजेंड, बिल्कुल नई Octavia RS की वापसी के लिए है। फुल्ली बिल्ट यूनिट (स्नक्) के रूप में सीमित संख्या में उपलब्ध, Octavia RS बेजोड़ ड्राइविंग डायनामिक्स, बोल्ड डिज़ाइन और बेजोड़ RS स्पिरिट का प्रतीक है, जो भारत में दीवानों और ख़ास चाहने वालों के लिए एक ख़ास निशानी के रूप में अपनी वापसी कर रही है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, Škoda Auto India के ब्रैंड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, Octavia RS को कमाल की प्रतिक्रिया मिली है। इस शानदार मॉडल ने पूरे भारत में ड्राइविंग के शौकीनों के जुनून को सचमुच जगा दिया है, और Octavia RS की दुनिया भर में पहचान को और मज़बूत किया है। भारत में Škoda Auto के 25 उल्लेखनीय वर्षों का जश्न मनाते हुए, विश्वस्तरीय कारें उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मज़बूत है। RS बैज केवल परफॉरमेंस तक सीमित नहीं है। यह Škoda ब्रांड के साथ हमारे ग्राहकों के भावनात्मक जुड़ाव और विश्वास को दिखाता है। हम Škoda परिवार में चाहने वालों की एक नई पीढ़ी का स्वागत करने और इस बाज़ार में हमारे ब्रांड को पहचान देने वाली मज़बूत विरासत और दीवानों की संख्या बढ़ाने को लेकर खुश हैं।

रोमांच से भरा- Octavia RS की खूबी एक 2.0 TSI टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन है, जो 195 kW (265 PS) की पावर और 370 Nm का टॉर्क उत्पन्न करता है। 7-स्पीड DSG ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से लैस, यह कार मात्र 6.4 सेकंड में 0- 100 km/h की रफ्तार पकड़ लेती है, जिसकी अधिकतम स्पीड इलेक्ट्रॉनिक रूप से 250 km/h तक सीमित है। इसका एडवांस्ड चेसिस सेटअप, प्रोग्रेसिव स्टीयरिंग और स्पोर्ट्स सस्पेंशन बेहतरीन हैंडलिंग और ड्राइविंग डायनामिक्स देते हैं।

खबर-खास

अमेरिका में नवरात्रि-दीपावली की रौनक बिखरी, भिलाई

भिलाई (समय दर्शन)। हिंदी यूएसए सेंट लुईस की ओर से इस वर्ष का नवरात्रि-दीपावली उत्सव उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। खास बात यह रही कि इस आयोजन में भिलाई और छत्तीसगढ़ से जाकर वहां रह रहे लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी दी। इस रंगारंग कार्यक्रम में 450 से अधिक भारतीय व अन्य देशों के लोगों ने भाग लिया और पूरे आयोजन ने एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा क्योंकि इसका संचालन और संयोजन डॉ. अंशु जैन के नेतृत्व में हुआ। डॉ. अंशु जैन हिंदी यूएसए सेंट लुईस की आयोजन समिति की प्रमुख हैं। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और इसे कुशलतापूर्वक संपन्न कराया। डॉ. अंशु इस्पात नगरी भिलाई के विख्यात प्लास्टिक सर्जन डॉ. एम. एल. जैन की पुत्री हैं। वहीं डॉ. अंशु के पति मयंक जैन भी भिलाई से हैं। मयंक वहां हिंदी यूएसए के संस्थापक है। उनके पिता सुरेश चंद जैन भिलाई के वरिष्ठ व्यवसायी हैं।

मयंक-डॉ. अंशु जैन दंपति ने बताया कि हिंदी यूएसए सेंट लुईस ने इस वर्ष 8 नई समितियां गठित की हैं, और नवरात्रि-दीपावली उत्सव नवगठित आयोजन समिति द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने विभिन्न टीमों में मिलकर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ दुर्गा की आरती से हुई, जिसके बाद बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मिलकर डांडिया और गरबा के रंगों में खूब आनंद लिया। बच्चों की उत्साही भागीदारी ने माहौल को जीवंत बना दिया, और सभी बच्चों को उपहार दिए गए।

बच्चों के लिए रैफ़ल ड्रॉ, पटाखों का प्रदर्शन, फेस पेंटिंग, बलून आर्टिस्ट जैसी आकर्षक गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वादिष्ट व्यंजनों से सजे फ़ूड स्टॉल्स, पारंपरिक परिधानों, ज्वेलरी और सजावट की दुकानों ने उत्सव में चार चाँद लगा दिए। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रोफेशनल डीजे संगीत व्यवस्था ने माहौल को ऊर्जा से भर दिया और सभी उपस्थित जनों ने नृत्य और उत्सव का भरपूर आनंद लिया। वयस्कों के रैफ़ल फंडरेजर में भी समुदाय ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हिंदी यूएसए सेंट लुईस टीम ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने सभी शिक्षकों, अभिभावकों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया है। पूरे आयोजन की तस्वीरें और वीडियो यू-ट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर अपलोड कर दी गई है, जिसे दुनिया भर में भारतवासी व अन्य देशों के लोग देखकर बधाइयां दे रहे हैं।

शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत् स्कूलों में की जा रही है नियमित मॉनिटरिंग

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत् विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द मिश्रा ने अवगत कराया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा शिक्षा गुणवत्ता पर दिये गये निर्देश तथा उक्त संबंध में शासन/उच्च कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार कक्षा 05वीं, 08 वी एवं 10वीं, 12वीं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु जिले अंतर्गत विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले अंतर्गत कार्यरत समस्त अधिकारियों के मध्य विकास खण्डवार तथा विकास खण्ड स्तर पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल समन्वयकों के मध्य सतत निरीक्षण किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में, जिले एवं विकास खण्ड स्तर पर सतत मॉनिटरिंग जारी है। निरीक्षण के दौरान विलम्ब से शाला आने अथवा समय पूर्व शाला से जाने वाले शिक्षकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उन्हें शाला समय व अनुशासन का ध्यान रखने तथा शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया जा रहा है।

बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाई जागरूकता मुहिम

संगोष्ठी का हुआ आयोजन, छात्राओं के लिए

माहवारी स्वच्छता अभियान भी जारी

भिलाई (समय दर्शन)। विश्व बालिका दिवस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-तीन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी व खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया के मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन के डॉ. शिखर अग्रवाल व बीईटीओ सैयद असलम ने बताया कि बालिकाओं के अधिकार और उनकी स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और सामाजिक न्याय, शिक्षा पर स्वास्थ्य विभाग ने संगोष्ठी का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि हर साल 11 अक्टूबर को विश्व बालिका दिवस मनाया जाता है।

आयोजन की इस श्रृंखला में इस दौरान बालिकाओं के अधिकार को उन तक पहुंचा कर समाज के प्रत्येक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हमारी बालिकाएं स्वस्थ रहें। सैयद असलम ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की ओर से खून की कमी (एनीमिया) से बचाव करने साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड टेबलेट भोजन पश्चात स्कूलों में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को दी जाती है। वहीं स्वच्छता के संबंध में स्कूली व कॉलेज के छात्राओं के लिए माहवारी स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। सेनेटरी नैपकिन के उपयोग का विस्तार से उपयोग निष्पादन एएनएम और स्वास्थ्य संयोजिका के माध्यम से दिया जा रहा है। बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि स्वास्थ्य शिक्षा में गुड टच और बैड टच के संबंध में जागरूक भी किया जा रहा है। जिससे बालिकाएं हर स्तर पर सशक्त और मजबूत बनकर विकसित भारत के हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व करें। कार्यक्रम में सीनियर कंसल्टेंट एल एच व्ही श्रीमती आर विश्वास, श्रीमती पी स्वामी, श्रीमती हर्षा मानिकपुरी, नेत्र चिकित्सा सहायक अधिकारी श्रीमती जसविंदर कौर विरदी, श्रीमती हेमलता निर्मलकर और श्रीमती उषा वर्मा उपस्थित थे।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का सघन निरीक्षण

70 खाद्य नमूनों को भेजा गया जांच हेतु, दो प्रतिष्ठानों पर 50,000 का लगा जुर्माना

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजित सिंह के निर्देशन में त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के होटल, ढाबा, किराना, डेयरी, मिठाई शॉप ईत्यादि प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न खाद्य कारोबारकर्ताओं से आटा, मैदा, फलाहारी नमकीन, सिंघाड़ा, आटा, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर, साबूदाना, घी, सूजी, बेसन, खाद्य तेल बेकरी उत्पाद व दुध व दुध से बने मिठाईयों का नमूना लिया गया। मेसर्स ठाकुर रेस्टोरेन्ट एण्ड स्वीट्स से आलू मसाला, समोसा व सांभर खुला, मेसर्स लक्ष्मी ट्रेडर्स गंजपारा दुर्ग से वरलक्ष्मी साबूदाना, मेसर्स कुणाल बेवरेजेस गंजपारा दुर्ग से मिडनाईट पैकेज ड्रिंकिंग वॉटर, मेसर्स जय भोले किराना स्टोर्स, सुराना कॉलेज से कान्हा श्याम सुजी, विशाल मेगा मार्ट से प्यूर बस्ट काउ घी, ड्राई फ्रूट बेसन लड्डू, फस्ट क्रॉप बेसन, आलू भुजिया का नमूना लिया गया। इसी क्रम में मेसर्स शिवम सुपर बाजार बोरसी से भेग मैदा, रिफाईन्ड वीट फ्लोर, बेसन खुला, शुभकामना रिफाईड राईस ब्रान ऑयल, मेसर्स एकादशी ट्रेडर्स से सोना सिल्क बेसन, विद्याश्री गोल्ड चक्की फ्रेश आटा, एबीस गोल्ड रिफाईड सोयाबीन ऑयल, रूची नं 01 वनस्पति, मेसर्स टपरी स्वाद भरपेट, पुलगांव से द ओवन चोको चिप्स कुकीस, मिनी पेड़ा के नमूना मेसर्स माया बास्केट सिकोलाभांठा से जायका सिंघाड़ा पाउडर, मेसर्स गोपाल सेल्स गया नगर दुर्ग से फलहारी चिवड़ा, मेसर्स सरिता किचन एवं आईसक्रीम गया नगर दुर्ग से पेक्ड ड्रिंकिंग वाटर, मेसर्स शुभ सेल्स से ब्रिटानिया गाय का घी, पारख सुपर बाजार रिसाली से मैदा, बेसन, आटा, मेसर्स मैत्री सुपर बाजार से डालडा राईस ब्रान तेल, मेसर्स मौर्य स्वीट्स से कुंदा, मेसर्स ए.एन.जे बेकर्स नया पारा से हेजलनट केक के नमूनों सहित कुल 70 नमूना खाद्य पदार्थों को संकलित कर जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। जांच प्रतिवेदन प्राप्ति उपरांत नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जायेगी। जांच के दौरान मेसर्स मिलाई सुपर बेकरी महराज्य चौक व मिलाई सुपर बेकरी पदमनाभपुर दुर्ग द्वारा बिना अनुज्ञप्ति के खाद्य कारोबार करते पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री वीर सागर पटेल द्वारा दुकानदारों पर 25-25 हजार कुल 50 हजार रूपये एवं मिथ्याचार अवमानक तथा अनुज्ञप्ति नवीनीकरण न कराने वाले प्रकरण में क्वालिटी मसाला धमधा को माननीय मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी द्वारा 20 हजार रूपये का अर्थदण्ड अधिरोनित किया गया है। साथ ही चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला वाहन से त्यौहारी सिजन का ध्यान में रखते हुए कुल 495 खाद्य नमूने जांच किये गये जिसमे 459 मानक 35 अवमानक 08 मिथ्याछाप व असुरक्षित पाये गये। अवमानक, मिथ्याछाप व असुरक्षित पाये गये खाद्य पदार्थों को मौके पर नष्टीकरण किया गया।

भटके हुए मूक बधिर व्यक्ति को मिला नया ठिकाना

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संवेदनशील पहल से पहुंचा घरौंदा बिलासपुर

मुंगेली (समय दर्शन)। मानवीय संवेदना और तत्परता का उदाहरण पेश करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंगेली ने एक भटके हुए मूक बधिर व्यक्ति को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की सराहनीय पहल की है। प्राधिकरण की सचिव श्रीमती कंचनलता आचला ने बताया कि पथरिया विकासखंड के ग्राम कुकुसदा, चौकी साकेत, थाना पथरिया अंतर्गत एक अज्ञात मुकबधीर व्यक्ति भटकता हुआ पाया गया। इस संबंध में सूचना मिलते ही सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंगेली ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पैरालीगल वॉलेंटियर्स को मौके पर भेजा। व्यक्ति के नाम और पते की जानकारी न मिल पाने पर सचिव ने समाज कल्याण विभाग मुंगेली एवं बिलासपुर के अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया। संबंधित विभागों के सहयोग से आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण कर भटके हुए मूक बधिर व्यक्ति को बिलासपुर स्थित घरौंदा आश्रय स्थल पहुंचाया गया, जहाँ उसकी सुरक्षित देखभाल की जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली की सक्रियता और सामाजिक संवेदनशीलता से जरूरतमंद व्यक्ति को नया ठिकाना और सुरक्षा का सहारा मिला।

लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने सेवा सप्ताह में किए उत्कृष्ट कार्य

दुर्ग (समय दर्शन)। लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी द्वारा सेवा सप्ताह मनाया गया। जिसमें 1 अक्टूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन सरकारी अस्पताल जिला दुर्ग में किया गया और वहां नवजात शिशुओं को आवश्यक सामग्री किट के रूप में बांटी गई। 2 अक्टूबर को गांधी प्रतिमा व शास्त्री जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर मिठाई बांटी गई व राष्ट्रभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्था द्वारा संचालित मानवता शाला बोरसी में किया गया, जिसमें खालसा पब्लिक स्कूल प्रथम व केंद्रीय विद्यालय द्वितीय रहे। तीसरे दिन जिला जेल में कैदियों को मेंटल हेल्थ जागरूकता और चरित्र निर्माण पर डॉ. संतोष राय द्वारा एक सेमिनार आयोजित किया गया। 4 अक्टूबर को मुस्कान फाउंडेशन के फाउंडर मेंबर का सम्मान किया गया। डायबिटीज व रक्तचाप जॉच की शिविर का आयोजन किया गया। 5 अक्टूबर को पोटिया कला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जहां 120 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। 6 अक्टूबर को पोटिया प्राथमिक शाला में संस्कार शिक्षा पर सेमिनार आयोजित किया गया व खेल सामग्री का वितरण किया गया। सातवें दिन सेक्टर-9 महाविद्यालय में मेंटल हेल्थ अवेयरनेस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 8 अक्टूबर को सेवा सप्ताह का समापन व रीजन चेयर पर्सन लायन एमजेएफराजकुमार शर्मा की आधिकारिक यात्रा संपन्न कराई गई। सेवा सप्ताह में सहयोग किए गए सदस्यों व नागरिकों का सम्मान भी किया गया। सेवा सप्ताह के दौरान लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की अध्यक्ष अकांक्षा मिश्रा, सचिव हरमीत सिंह भाटिया, कोषाध्यक्ष अनिता तिवारी के अलावा अन्य लायन सदस्यों ने सेवा कार्यों में योगदान दिया।

जिला न्यायालय दुर्ग में ग्रीन दीपावली मनाने कार्यशाला आयोजित

दुर्ग (समय दर्शन)। माननीय उच्चतम न्यायालय एवं माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के द्वारा ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने के समय-समय पर दिशानिर्देश दिए जाते रहे हैं, जिससे प्रेरित होकर 16 अक्टूबर 2025 को जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों व पैरालीगल वॉलेंटियर्स हेतु ''ग्रीन दीपावली मनाएं-प्रदूषण मुक्त दीप जलाएं'' विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने ग्रीन दीपावली मनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन और ग्रीन दीपावली के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण तथा पैरालीगल वॉलेंटियर्स बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उक्त कार्यशाला में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री थॉमस एक्का तथा जिला न्यायालय के उच्च न्यायिक सेवा अधिकारी श्री प्रशांत पाराशर के द्वारा दीपावली में तेज आवाज वाले फटाखों तथा धुएं से होने वाले ध्वनि तथा वायु प्रदूषण से पशु, पक्षियों, बचों एवं वरिष्ठजनों को होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में अवगत कराते हुए ग्रीन दीपावली मनाए जाने हेतु प्रेरित किया। उनके द्वारा यह भी विदित किया गया कि दीपावली के दौरान फोड़े जाने वाले फटाखों के धुएं से पी.एम. 2.5 (गंभीर वायु प्रदूषक) का स्तर दस गुना तक बढ़ जाता है। इस धुएं में सल्फर, जिंक, कॉपर, लेड, पोटेशियम नाइट्रेट, आर्सेनिक जैसे खतरनाक रसायन मौजूद रहते हैं, जो कि सांस लेते समय हमारे फेंफड़ों तक पहुंचकर कई बीमारियाँ फैलाते हैं। साथ ही उनके द्वारा कार्यशाला में ग्रीन दीपावली मनाने के व्यावहारिक उपाय बताए गए-जैसे कि स्थानीय उत्पादों का उपयोग, ताजे फुलों से सजावट, प्राकृतिक रंगों से रंगोली सजाना, वृक्षारोपण तथा अपशिष्ट प्रबंधन। हम सभी को अपनी परंपराओं और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना चाहिए।

सार्वजनिक सूचना

मैसर्स सीता एनर्जेन प्राइवेट लिमिटेड को **MOEF&CC** नई दिल्ली द्वारा डी.आर.आई. किल्न्स (स्पजं आयरन 4,29,000 टीपीए), एल.आर.एफ और सी.सी.एम साथ इंडक्शन फर्नेस (बिलेट्स/इंगॉट्स-3,96,000 टी.पी.ए), डब्ल्यू.एच.आर.बी आधारित पावर प्लांट - 2×15 मेगावाट, सीएफबीसी आधारित पावर प्लांट - 1×10 मेगावाट, फ्लाई ऐश ब्रिक्स-346 टीपीडी की स्थापना के माध्यम से मौजूदा संयंत्र 7.5 मेगावाट बायोमास आधारित पावर प्लांट और 1×9 एमवीए (**MVA**) फेरो अलॉय प्लांट (सिलिकॉन मैंगनीज 14,400 टीपीए या फेरो मैंगनीज 25,200 टीपीए या फेरो क्रोम 15,000 टीपीए या फेरो सिलिकॉन 7,000 टीपीए या पिग आयरन 25,200 टीपीए) की स्थापना के माध्यम से मौजूदा संयंत्र के विस्तार के लिए पर्यावरण स्वाकृति फाइल संख्या **IA-J-11011/59/2024-IA.II(Ind-I)** दिंनांक 08/10/2025 को प्रदान की गई है। संयंत्र ग्राम - खम्हारडीह, तहसील-पथरिया, जिला - मुंगेली, छत्तीसगढ़ स्थित है। स्वीकृती पत्र की प्रति सीईसीबी के पास उपलब्ध है और इसे पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाइट **http://parivesh.nic.in** पर भी देखा जा सकता है।

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता उमेश गजेन्द्र उम्र 38 वर्ष आ. राजकुमार गजेन्द्र जाति मेहर निवासी पंदर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. का मूल निवासी हूं। मेरे पुत्री का नाम कु. खनक गजेन्द्र की जन्म दिनांक 26.08.2025 को स्वसिध्दि हास्पीटल पाटन में हुई है इनकी पिता का नाम उमेश गजेन्द्र एवं माता की नाम श्रीमति सुरेखा गजेन्द्र के नाम से जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है ।

मैं अपनी पुत्री कु. खनक गजेन्द्र आ. उमेश गजेन्द्र एवं माता की नाम श्रीमति सुरेखा गजेन्द्र के नाम से जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है उसके स्थान पर कु. षष्ठी गजेन्द्र पिता उमेश गजेन्द्र एवं माता की नाम श्रीमति सुरेखा गजेन्द्र के नाम से जन्म प्रमाण पत्र में अंकित करवाना है इस लिए यह शपथ पत्र प्रस्तुत है ।

शपथकर्ता

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर के कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए 30 तक आनलाइन आवेदन आमंत्रित

सुकमा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में कक्षा 6वीं और 9वीं में प्रवेश हेतु भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के तहत स्वायत संगठन ''राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए)'' द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश-द्धस्स्श्ब्श-2026 परीक्षा जनवरी 2026 में लिया जाना संभावित है। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ के निवासियों को एनटीए की वेबसाइट एनटीए डॉट एसी डॉट इन अथवा एक्जाम्स डॉट एनटीए डॉट एसी डॉट इन/सैनिक स्कूल सोसायटी में 30 अक्टूबर 2025 को शाम 5 बजे तक आनलाइन आवेदन भरना होगा, जिसका परीक्षा फीस 31 अक्टूबर तक भुगतान किया जा सकता है। सामान्य, ओबीसी (नॉन क्रिमेलियर), रक्षा और भूतपूर्व सैनिक वर्ग के परीक्षार्थी के लिए परीक्षा फीस 850 रूपए तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के परीक्षार्थी के लिए 700 रूपए परीक्षा फीस निर्धारित है।

जोन क्रमांक- 10, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 34/न.पा.नि./जोन क्र. 10 /25-26 | रायपुर, दिनांक 17.10.2025

मैनअुल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है:-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन तिथि - 28.10.2025 कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि - 29.10.2025 कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि - 07.11.2025 कार्यालयीन समय 3.00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 07.11.2025 कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानति राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार श्रेणी	प्रपत्र उएवं एस.ओ.आर. का विवरण	समयावधि
01	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत नेवर सिटी अमलीडीह में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (विकास शुल्क मद)	9.51	7500/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी रोड दिनांक 01.01.2025 संशोधित एसओआर)	04 माह
02	बाबू जगजीवन राम वार्ड क्र. 53 अंतर्गत वर्धमान नगर में बी. दर्शन के घर से भट्टाचार्य जी के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (विकास शुल्क मद)	9.06	7000/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी रोड दिनांक 01.01.2025 संशोधित एसओआर)	04 माह
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत शिव विला अमलीडीह में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (विकास शुल्क मद)	6.64	5000/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी रोड दिनांक 01.01.2025 संशोधित एसओआर)	04 माह
04	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत विभिन्न उद्यानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थल पर सीमेंट चेयर प्रदाय करने का कार्य (पार्षद निधि)	3.00	3000/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (नॉन एसओआर)	02 माह
05	ले.अरविंद दीक्षित वार्ड क्र.56 अंतर्गत मातृपितृ छाया के समीप एवं विजेता काम्प्लेक्स के पीछे सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य (पार्षद निधि)	3.00	3000/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 एवं रोड दिनांक 01.01.2025 संशोधित एसओआर)	03 माह
06	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत अमलीडीह झेरिया साहू समाज भवन में टॉवर शेड एवं अन्य मरम्मत कार्य। (सड़क बाधा मद)	1.96	2000/-	300/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी भवन एसओआर दिनांक 01.01.2015 संशोधित एसओआर)	03 माह
07	रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड क्र.55 अंतर्गत कृष्णा नगर दिनेश साहू के घर से पुराना शर्मा जिम होते हुए गली नं. 01 तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण का कार्य। (विकास शुल्क मद)	9.48	7500/-	750/-	डी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र अ (पीडब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 एवं रोड दिनांक 01.01.2025 संशोधित एसओआर)	04 माह

1. नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन, रायपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत तथा कार्य के अनुभवी ठेकेदारों से तीन लिफाफा पद्धति जमा करना है।
2. लिफाफा (अ) में अमानती राशि का एफ.डी.आर. व शपथ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज।
3. लिफाफा (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सीलबंद करना होगा।
4. (अ)+(ब) एक अन्य तीसरे लिफाफा (स) में भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जायेगा ।
5. सर्वप्रथम लिफाफा (स) खोलने के पश्चात् लिफाफा (अ) खोला जायेगा जिसमें अमानती राशि का एफ.डी.आर. एवं अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही निविदा प्रपत्र की लिफाफा (ब) खोली जावेगी तथा लिफाफे में अ.ब.स अंकित होगा अनिवार्य है।
6. निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जायेगा।
7. सक्षम श्रेणी का ई-रजिस्ट्रेशन, बैंक सालवेंसी, अंतिम तीन साल का आईटीआर, पेन कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन एवं अंतिम तीन माह का जी.एस.टी.आर. अमानती राशि का एफ.डी.आर. के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
8. तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।
9. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
10. निविदा संबंधी अन्य शर्ते एवं जानकारियों कार्यालय अवधि / दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
11. ठेकेदार को **From A&C** में दिये गये सभी शर्तों के अनुसार कार्य किये जाना अनिवार्य है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक- 10
नगर पालिक निगम, रायपुर

खाना बनाने के विवाद में बहू ने दादी सास को उतारा मौत के घाट

लोहे के हथौड़े से सिर पर किया वार

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के नंदिनी नगर थाना क्षेत्र के गोढ़ी गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां खाना बनाने को लेकर हुए घरेलू विवाद में एक बहू ने अपनी दादी सास की लोहे के हथौड़े से वार कर निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी बहू को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक घटना 16 अक्टूबर की है, जब प्रार्थी सुरेन्द्र वर्मा (ग्राम गोढ़ी) ने थाने में अपनी मां उर्मिला वर्मा की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी ने पुलिस को बताया कि वह और परिवार के अन्य सदस्य काम पर गए थे। घर पर केवल उनकी मां उर्मिला वर्मा और बहू रोशनी वर्मा मौजूद थीं। पड़ोसियों से सूचना मिलने पर जब वे घर पहुंचे तो देखा कि उनकी मां उर्मिला वर्मा बेडरूम में लहुलुहान पड़ी थीं और उनके सिर में गंभीर चोट थी, जिससे उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

ताना मारने से भड़की बहू

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना नंदिनी नगर ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर बहू रोशनी वर्मा से कड़ाई से पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी रोशनी वर्मा ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसकी दादी सास उर्मिला वर्मा अक्सर उसे खाना बनाने के नाम पर ताना मारती थीं और उसके हाथ का बना खाना खाने से मना करती थीं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ।

यह विवाद इतना बढ़ा कि बहू आक्रोश में आ गई और बेडरूम में रखे लोहे के हथौड़े से दादी सास उर्मिला वर्मा के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी गिरफ्तार, हथौड़ा जब्त

नंदिनी नगर पुलिस ने आरोपी रोशनी वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का हथौड़ा भी विधिवत् जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि घरेलू कलह के चलते यह जघन्य वारदात हुई है।

दीपावली पर 'महिला उद्यमिता स्टॉल' में झलकी बिहान की चमक

स्व-सहायता समूहों ने किया उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय

मुंगेली(समय दर्शन)। दीपावली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान के अंतर्गत महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला उद्यमिता स्टॉल का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत मुंगेली (छत्तीसगढ़) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। स्टॉल में पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुएँ जैसे दीये, मिठाई, पूजा-पाठ की सामग्री, अगरबत्ती, धूप, कलश, ग्वालिन दीया-गुल्लक, झूमर मिरर, साड़ी, स्कार्फ थैले आदि आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने स्टॉल का अवलोकन किया और समूह की महिलाओं की सराहना करते हुए आर्थिक रूप से आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के मौके पर लगाई गई यह प्रदर्शनी न केवल उत्सव की रौनक बढ़ा रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की मिसाल भी पेश कर रही है। बिहान योजना के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ अपने स्थानीय उत्पादों के माध्यम से लोकल को वोकल बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। इस स्टॉल के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों को बाजार से जोड़ने, ग्राहकों से संवाद स्थापित करने और व्यवसायिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। स्थानीय नागरिक भी इन हस्तनिर्मित वस्तुओं को उत्साहपूर्वक खरीदकर महिलाओं के इस प्रयास को प्रोत्साहन दे रहे हैं।

आयुक्त ने कल्याण कालेज ग्राउण्ड में इंडोर स्टेडियम बनाने के दिए निर्देश

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 05 अंतर्गत सेक्टर 07 छठ तालाब, कल्याण कालेज ग्राउण्ड, सड़क 09 उद्यान, जयंती स्टेडियम के पीछे तालाब का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा सेक्टर 07 छठ तालाब का निरीक्षण किया गया। छठ त्यौहार हेतु तालाब की साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और कार्य की प्रशंसा किए। सेक्टर 07 कल्याण कालेज ग्राउण्ड का निरीक्षण किया गया । ग्राउण्ड के भीतर इंडोर स्टेडियम का प्रस्ताव तैयार करने सहायक अभियंता प्रिया करसे को निर्देशित किए हैं।

समीपस्थ सड़क 09 स्थित उद्यान की साफ-सफाई का अवलोकन किया गया, उद्यान के भीतर का फव्वारा बंद पड़ा है, जिसका संधारण कर चालू करने निर्देशित किया गया है। छठ को दृष्टिगत करते हुए जयंती स्टेडियम के पीछे बने तालाब की सफाई जल्द से जल्द कराने जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे को निर्देशित किए है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, स्वच्छता निरीक्षक, सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

बिर्रा थाना क्षेत्र में पत्रकारों पर बढ़ते हमले – करही में हत्या

करनौद में पत्रकार पर जानलेवा हमला के बाद अब झोलाछाप डॉक्टर ने पत्रकार को बंधक बनाकर किया मारपीट

बिर्रा (समय दर्शन)। बिर्रा थाना क्षेत्र एक बार फिर पत्रकारों पर हमले की घटनाओं को लेकर सुर्खियों में है। क्षेत्र में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीते कुछ महीनों में जहां करही गांव में एक पत्रकार की हत्या ने पूरे जिले को झकझोर दिया था, वहीं करनौद में रेत माफिया द्वारा पत्रकार के साथ मारपीट के बाद अब ग्राम बिर्रा में खबर कवरेज करने पहुंचे द वाय डब्लू एन न्यूज के पत्रकार पर झोलाछाप डॉक्टर और उसके साथियों द्वारा बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है।

अवैध लिनिक की खबर कवरेज करने गए थे पत्रकार

जानकारी के अनुसार, गुरुवार की शाम पत्रकार बिर्रा थाना क्षेत्र के झोलाछाप पटेल डॉक्टर के क्लिनिक पहुंचे थे, जहां पूर्व में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए क्लिनिक को सील किया था। बताया जा रहा है कि आरोपी डॉक्टर ने नियमों को ताक पर रखते हुए दोबारा से अवैध रूप से क्लिनिक शुरू कर दिया था। इसी सूचना पर जब पत्रकार वहां पहुंचे और कवरेज शुरू की, तभी झोलाछाप डॉक्टर भड़क उठा।

देखते ही देखते आरोपी डॉक्टर ने पत्रकार को कमरे के भीतर बंधक बना लिया और अपने सहयोगियों को बुलाकर जमकर मारपीट की। इस दौरान पत्रकार ने किसी तरह अपनी जान बचाने की कोशिश की लेकिन हमलावरों ने मोबाइल और कैमरा छीनने की भी कोशिश की।

एसपी के हस्तक्षेप पर बची पत्रकार की जान

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना की सूचना किसी तरह वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंची। जब मामला पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचा, तो उन्होंने तत्काल बिर्रा थाना प्रभारी को निर्देश जारी किया।

इसके बाद थाने से पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचा और पत्रकार को झोलाछाप डॉक्टर के कब्जे से छुड़ाया गया। पुलिस इस पूरी कार्रवाई की प्रत्यक्ष साक्षी मानी जा रही है।

पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमले से दहशत

बिर्रा थाना क्षेत्र में यह कोई पहली घटना नहीं है। कुछ महीने पहले ग्राम करही में रेत कारोबार से जुड़ी खबर कवरेज करने गए पत्रकार की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। वहीं करनौद गांव में भी रेत से संबंधित खबर को लेकर एक अन्य पत्रकार से मारपीट की गई थी। अब एक और पत्रकार पर हमला होने से पूरे क्षेत्र के पत्रकारों में आक्रोश और दहशत का माहौल है।

पत्रकार बोले – बिर्रा थाना क्षेत्र पत्रकारों के लिए बन गया असुरक्षित जोन

स्थानीय पत्रकारों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि बिर्रा थाना क्षेत्र पत्रकारों के लिए अब असुरक्षित हो चुका है। पिछले कुछ महीनों में हुई घटनाओं के बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई न किए जाने से असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं।

पत्रकार संगठनों ने की कार्रवाई की मांग

इस घटना के बाद पत्रकार संगठनों ने कड़ा विरोध जताते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर हमले लोकतंत्र की आवाज़ को कुचलने की कोशिश हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लगातार तीन बड़ी घटनाओं ने यह साफकर दिया है कि बिर्रा थाना क्षेत्र में पत्रकारों की सुरक्षा पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर ठोस कदम न उठाए गए तो आने वाले समय में हालात और बिगड़ सकते हैं। जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को जल्द कार्रवाई करनी होगी, वरना बिर्रा पत्रकारों के लिए खतरनाक ज़ोन बनकर रह जाएगा।

खेलो को आगे बढ़ाने में प्रतिबद्ध है डाक विभाग - शुभेंदु

दुर्ग (समय दर्शन)। भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा राज्य स्तरीय सुकन्या चैलेंज बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परम आदरणीय श्री शुभेंदु स्वाई मुख्य पोस्टमास्टर जनरल छत्तीसगढ़ परिमंडल, विशिष्ट अतिथि माननीय श्री अभिन्न श्याम गुप्ता , ओंलपियन व् अर्जुन अवार्ड विजेता , श्रीमती कविता दीक्षित, अंतर्राष्ट्रीय बेडमिंटन खिलाड़ी,श्रीमती संगीता राजगोपालन अंतर्राष्ट्रीय बेडमिंटन खिलाड़ी, खिलाड़ी, कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय श्री दिनेश कुमार मिस्त्री निदेशक डाक सेवाए छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल,एवं श्री बी एल जांगड़े प्रवर अधीक्षक डाकघर दुर्ग संभाग,श्री पवन जलानी वरिष्ट फ्लिाटेलिस्ट भिलाई ने मंच साझा किया7 अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि शुभेंदु स्वाई ने बताया कि खेलो को आगे बढ़ाने में प्रतिबद्ध है डाक विभाग तथा प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं एवं बालको की खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ साथ बचत योजनाओं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना और पीपीएफके बारे में जागरूकता बढ़ाना है. इस पहल के तहत खेल को बढ़ावा देना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं पीपीएफखातों का प्रचार प्रसार करना . भारतीय डाक विभाग द्वारा प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय दो दिवसी सुकन्या चैलेंज बैडमिंटन ट्रॉफी प्रतियोगिता संपन्न हुई. छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के मार्गदर्शन पर दुर्ग पोस्टल डिविजन के द्वारा आयोजित किया गया. यह अपने तरह का अनोखा आयोजन है, भारतीय डाक विभाग के द्वारा आयोजित 2 दिवसीय इस छत्तीसगढ़ स्तरीय सुकन्या चैलेंज बैडमिंटन प्रतियोगिता में 6 वर्गों में प्रदेश भर के 163 बालक बालिकाएं अपने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया.

दो दिवसीय प्रतियोगिता का बालिका वर्ग 13 वर्ष में कनक साहू धमतरी (प्रथम), जुनैरा भिलाई इस्पात संयंत्र (द्वितीय), सेजल वर्मा दुर्ग (संयुक्त तृतीय), दर्शिता जैन (संयुक्त तृतीय) दुर्ग.

वहीं बालक वर्ग के अंडर 13 वर्ग में शाश्वत श्री मिश्रा रायपुर (प्रथम), नक्श निर्विकार सिंह बिलासपुर (द्वितीय), कृष्व भटनागर रायपुर (संयुक्त तृतीय), तक्ष घोंघड़े रायपुर (संयुक्त तृतीय).

बालिका वर्ग के अंडर 11 वर्ष में आराध्या देवांगन दुर्ग (प्रथम), आण्विका अग्रवाल रायपुर (द्वितीय), श्रेया चौधरी दुर्ग (संयुक्त तृतीय), भूमिजा राठौर यूसी आर (संयुक्त तृतीय)

बालक वर्ग के अंडर 11 वर्ष में सभ्य कुमार ध्रुव दुर्ग (प्रथम), श्यामल कृष्णा तिवारी रायपुर, (द्वितीय), उत्कर्ष ढोलकिया रायपुर (संयुक्त तृतीय), श्राव श्राफ रायपुर (संयुक्त तृतीय)

शर्मनाक! अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची 9 माह की गर्भवती महिला से डॉक्टर ने की अश्लील हरकत

नर्स नर्स को बाहर भेजकर की घिनौनी करतूत ; एफआईआर दर्ज

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था को शर्मसार कर देने वाला एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। यहां नेहरू नगर स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर के डॉक्टर पर 9 महीने की गर्भवती महिला के साथ अल्ट्रासाउंड जांच के दौरान छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर गिरीश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है।

मामला 16 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे नेहरू नगर स्थित इमेजस डायग्नोस्टिक सेंटर का है। भिलाई के सेक्टर-7 की रहने वाली एक शिक्षिका (गर्भवती महिला) अपने देवर और सास के साथ अल्ट्रासाउंड जांच के लिए सेंटर पहुंची थीं। महिला ने पुलिस को बताया कि जांच के लिए जब वह डॉक्टर गिरीश वर्मा के चेंबर में गईं, तो शुरू में वहां एक नर्स मौजूद थी। लेकिन, कुछ देर बाद डॉक्टर ने नर्स को किसी बहाने से कमरे से बाहर भेज दिया।

गुप्तांग को छूने की कोशिश का आरोप

महिला के अनुसार, नर्स के जाते ही डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड करते समय बुरी नीयत से उनके अंडरगारमेंट में हाथ डाल दिया। महिला ने शिकायत में बताया कि इसके बाद आरोपी डॉक्टर ने अपनी पैंट की चेन खोलकर उनका हाथ पकड़ा और अपने गुप्तांग को टच कराने की कोशिश की। इस हरकत से महिला बुरी तरह घबरा गई और डर के कारण वह मौके पर कुछ बोल नहीं पाई। वह तुरंत कमरे से बाहर आईं और अपने देवर से घर चलने को कहा।

घर जाकर बताई आपबीती, परिजन पहुंचे थाने

घर पहुंचने के बाद महिला ने अपने पति, सास और देवर को डॉक्टर की इस घिनौनी करतूत की पूरी जानकारी दी। इसके बाद परिवार ने इस गंभीर मामले में न्याय दिलाने के लिए तत्काल थाने पहुंचकर डॉक्टर गिरीश वर्मा के खिलाफशिकायत दर्ज कराई।

पुलिस कर रही सीसीटीवी फुटेज की जांच, जल्द गिरफ्तारी का दावा

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी डॉक्टर के खिलाफमामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फिलहाल इमेज डायग्नोस्टिक सेंटर के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपी डॉक्टर को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक डॉक्टर द्वारा मरीज के साथ ऐसी हरकत करने से पूरे इलाके में गुस्सा और हैरानी का माहौल है।

संक्षिप्त-खबर

जमडी में काली पूजा आज से

बिर्रा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत जमडी (मल्दा) में नव युवक काली पूजा उत्सव समिति के तत्वाधान में काली पूजा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कलश यात्रा एवं वेदी पूजन और मूर्ति स्थापना के साथ 18 अक्टूबर दिन शनिवार को शुभारंभ किया जाएगा। व्यास आचार्य पंडित रामकुमार दुबे मल्दा वाले होंगे। काली पूजा उत्सव का समापन , हवन एवं मूर्ति विसर्जन 22 अक्टूबर बुधवार को किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार 21100 रु बिलासपुर नशामुक्ति केंद्र के संचालक श्री मिलन साहू के द्वारा ,द्वितीय पुरस्कार 15001 रु डॉ कमलेश महंत,ड्रा सूरज कुमार कश्यप,अश्वनी सोनी,आयुष मेडिकल बिर्रा के द्वारा ,तृतीय पुरस्कार 10001 रु श्री त्रिलोचन जांगड़े,श्री बसंत टंडन,श्री पुनीराम कश्यप,श्री गोलू कश्यप,श्री ननकी दाऊ यादव,श्री अरुण कुमार कश्यप के द्वारा, चतुर्थ पुरस्कार 5001 रु श्री मनीराम कश्यप मकान ठेकेदार बिर्रा के द्वारा, पंचम पुरुस्कार 3001 रु श्री प्रीतम कश्यप शिक्षक के द्वारा, षष्ठ पुरुस्कार 2501 रु श्री घनश्याम राय शिक्षक श्री जगनथिया कश्यप के द्वारा, सप्तम पुरुस्कार 1001 रु श्री घनश्याम साहू के द्वारा दिया जाएगा। माता सेवा जस गीत का फाइनल प्रतियोगिता 22 अक्टूबर दिन बुधवार को रात्रि 8:00 बजे से प्रारंभ होगा। मूर्तिदाता श्री रविशंकर कश्यप,श्री बद्री कश्यप जमडी के द्वारा दिया गया है। मुख्य यजमान श्री दरस लाल सिदार श्री मति कौशल्या सिदार, मंच संचालक प्रीतम लाल कश्यप, सम्में लाल कश्यप,जीत राम कश्यप,रूपेश साहू कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्यगण और ग्राम वासियों के द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

दावा आपत्ति 25 तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग-शहरी के अंतर्गत पालना केन्द्र शांति नगर व पुलगांव में कार्यकर्ता एवं सहायिका की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया था। मूल्यांकन समिति के निर्णयानुसार 25 अक्टूबर तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। दावा आपत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की अनंतिम सूची परियोजना कार्यालय एवं नगर पालिक निगम दुर्ग के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु चस्पा की गई है। निर्धारित अवधि में कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग शहरी में कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत दावा-आपत्ति ही मान्य किया जाएगा।

बीच सड़क केक काटने वाले चार युवकों पर कार्यवाही

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले की वैशाली नगर थाना पुलिस ने बीच सड़क पर आवागमन बाधित कर केक काटने वाले चार युवकों के खिलाफ कार्यवाही ही है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 13-14.10.2025 के मध्य रात्रि लगभग 12.30 बजे एक सफेद रंग की फार्चुनर कार क्रमांक-सीजी-12 ए.क्यु 3600 में शुभम यादव, नीरज नेपाली, सत्यम यादव, जितेश यादव और रवि यादव एवं उसके साथी द्वारा आम रोड़ पर वाहन खड़ी कर आम रास्ते को अवरुद्ध करने एवं केक काटकर आम सड़क पर जन्मदिन मनाने के संबंध में थाना वैशाली नगर में अपराध दर्ज किया गया। प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल आरोपीगणों को पकड़कर थाना लाया गया जिनसे अपराध के संबंध में पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया गया। प्रकरण में आम रोड पर वाहन खड़ी कर मार्ग अवरूद्ध कर केक काटने एवं जन्मदिन मानकर आम रास्ता अवरुद्ध करने वाले आरोपी शुभम यादव पिता लालजी यादव उम्र 32 वर्ष साकिन कैम्प-1 संग्राम चैक भिलाई , सोहन मेश्राम पिता स्व. सरजू मेश्राम उम्र 35 वर्ष साकिन कैम्प-1 18 नंबर रोड़ स्टील नगर भिलाई , रवि पिता राजू प्रसाद उम्र 26 वर्ष साकिन कैम्प-1 आजाद मोहल्ला शितला मंरि के पास थाना वैशाली नगर तथा निरज कुमार सिंह पिता स्व. कुमार सिंह उम्र 28 वर्ष साकिन कैम्प-1 18 नंबर रोड़ थाना वैशाली नगर के विरूध आवश्यक कार्यवाही कर उनके आदतन अपराधिक कृत्यों को देखते हुए पृथक से 170 बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर जेल भेजा गया।

क्या है पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और उसके लाभ तथा प्रक्रिया

सुकमा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को एक लाख 8 हजार रूपये का अनुदान सीधे उनके बैंक खाता में भुगतान किया जाता है। इस योजना से बिजली बिल कम और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। 1 किलोवाट रूफटॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 60 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30 हजार का अनुदान और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 15 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 15 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा। इसी प्रकार 2 किलोवाट रूफटॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 1 लाख 20 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 60 हजार का अनुदान और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 30 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 30 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा। 3 किलोवाट रूफटॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर 1 लाख 80 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 30 हजार रूपए का अनुदान मिलेगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27